सतना

26 अगस्त 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यूएस ओपन 2025:

@ पेज 7

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को नगालैंड की भी मिली जिम्मेदारी

संभाला अतिरिक्त प्रभार

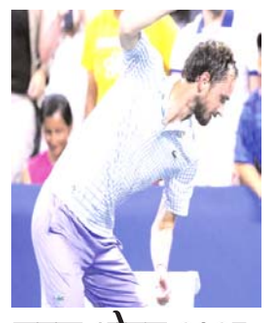

कोहिमा, एजेंसी। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने सोमवार को नगालैंड के 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्हें यह अतिरिक्त प्रभार राज्यपाल ला गणेशन के निधन के बाद दिया गया। शपथ ग्रहण समारोह कोहिमा स्थित राजभवन में आयोजित हुआ, जहां गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अशुतोष कुमार ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री टी.आर. जेलियांग और वाई. पैटन, राज्य के मंत्री, विधायक, वरिष्ठ नौकरशाह और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। शपथ लेने के बाद भल्ला ने मुख्यमंत्री रियो और राज्य मंत्रिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने समारोह के हिस्से के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया।

दिल्ली सीएम रेखा की ज़ेड प्लस सिक्योरिटी वापस ली गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई ज़ेड प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है।इधर,सीएम रेखा पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है।

दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आई थीं।

सीएम पर हमले के मामले में पुलिस उन 10 लोगों पर नजर रख रही है जो कॉल और चैट के जरिए आरोपी राजेशभाई के संपर्क में थे।

जम्मू से पाकिस्तान चले गए लोगों की जमीन पर सरकारी अफसरों ने कराया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), जम्मू उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने 22.08.2025 को जम्मू और उधमपुर के विभिन्न स्थानों पर कस्टोडियन भूमि हड़पने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी अभियान जेएंडके सरकार में विभिन्न पटवारियों, तहसीलदारों, बिचौलियों और भूमि हड़पने वालों के खिलाफ चलाया गया। आरोप है कि ये लोग कस्टोडियन भूमि (निष्कासित लोगों द्वारा छोड़ी गई भूमि, जो पहले पाकिस्तान चले गए थे) से संबंधित धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में लिप्त थे।

उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी उम्मीदवार पर शाह का आरोप

आदिवासियों से छीना आत्मरक्षा का अधिकार

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जिन पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, उन्होंने सलवा जुडूम को खत्म करने वाले फैसले के जरिए नक्सलियों को दो दशक तक जिंदा रखा। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें यह जवाब देना चाहिए कि ऐसे व्यक्ति क्यों चुना गया, जो वामपंथी सोच से सहानुभूति रखता है और जिनकी वजह से एक ऐसा नागरिक सुरक्षा समूह खत्म हुआ जो नक्सलियों का सफाया कर सकता था। जुलाई 2011 में जस्टिस सुदर्शन रेड्डी और जस्टिस एस.एस. निज्जर ने मिलकर छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में चल रहे सलवा जुडूम अभियान को गैरकानूनी और असांविधानिक घोषित किया था। उस समय छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार थी और रमन सिंह मुख्यमंत्री थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया था कि सलवा जुडूम का गठन राज्य सरकार का उस सांविधानिक जिम्मेदारी से पीछे हटने जैसा है, जिसमें नागरिकों को सुरक्षा देने के लिए एक प्रशिक्षित और स्थायी पुलिस बल होना चाहिए।

शाह ने एनडीए उमीदवार राधाकृष्णन का समर्थन किया

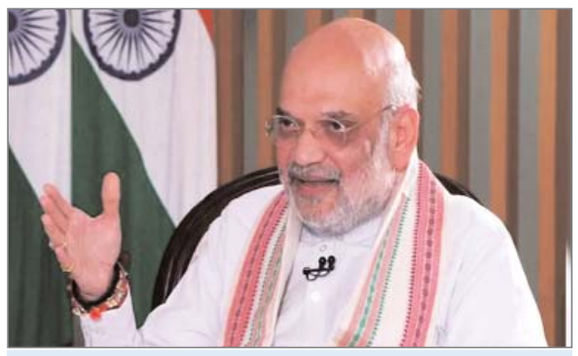

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के नाम का समर्थन करते हुए कहा कि यह स्वाभाविक है कि यह पद दक्षिण भारत के किसी व्यक्ति को मिले, क्योंकि राष्ट्रपति पूर्व से और प्रधानमंत्री उत्तर और पश्चिम से आते हैं। शाह ने कहा, उपराष्ट्रपति का पद दक्षिण भारत के किसी व्यक्ति को मिलना स्वाभाविक था क्योंकि राष्ट्रपति पूर्वी भारत से हैं और प्रधानमंत्री पश्चिम व उत्तर भारत से।

राधाकृष्णन का लंबा राजनीतिक जीवन, साफ-सुधरी छवि

जब उनसे पूछा गया कि एनडीए ने तमिलनाडु के नेता और आरएसएस स्वयंसेवक रहे सीपी राधाकृष्णन को क्यों चुना, तो शाह ने इन अटकलों को खारिज किया कि यह फैसला 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में राजनीतिक लाभ लेने के मकसद से किया गया। शाह ने कहा, हम पहले भी तमिलनाडु में अपने सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ चुके हैं और सीटें भी जीती हैं। अगर हम किसी को भी कहीं से नामित करते, तब भी ऐसे सवाल उठते। राधाकृष्णन का लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। वह दो बार सांसद रहे हैं। वह पार्टी के तमिलनाडु अध्यक्ष रहे। वह झारखंड, तेलंगाना, पुडुचेरी और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे हैं। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में साफ-सुथरी छवि बनाए रखी है। वह एक परिपक्व राजनेता हैं।

पीएम-सीएम बर्खास्तगी बिल का विरोध

खड़गे बोले: भाजपा की वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी 30 दिन में विपक्षी सरकारें गिराने की साजिश कर रही

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- भाजपा वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी में लगी है। लोकसभा में पेश सीएम-पीएम की बर्खास्तगी का बिल विपक्षी सरकारों को 30 दिन में गिराने और लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश हैं।

खड़गे ने आरोप लगाया कि यह बिल नागरिकों से अपनी चुनी हुई सरकार बनाने या हटाने का अधिकार छीन लेगा। ये लोग (केंद्र सरकार) ED-CBI जैसी एजेंसियों को अधिकार सौंप देते हैं। ऐसा होना लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है।

खड़गे ने कहा- मोदी जी जिन लोगों को पहले भ्रष्ट कहते थे, आज उन्हें मंत्री बना दिया। 193 केसों में ED ने विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की, लेकिन सिर्फ 2 में ही सजा हुई। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र में विपक्ष चाहता था कि बिहार में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर चर्चा हो, लेकिन सरकार ने टाल दिया। भाजपा वोटर लिस्ट में धांधली करके कांग्रेसी वोट कटवाने की कोशिश में है।

दरअसल, खड़गे ने रविवार को दिल्ली में इंदिरा भवन में हरियाणा-मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस कमेटी (DCC) अध्यक्षों की मीटिंग ली। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- फूट डालो और राज करो की राजनीति कांग्रेस में नहीं चलनी चाहिए।

खड़गे बोले- संगठन को मजबूत बनाने की जरूरत

हरियाणा-मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस कमेटी (DCC) अध्यक्षों की मीटिंग में खड़गे ने कहा - कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज इसलिए किया, क्योंकि संगठन मजबूत था। अब उसी पर वापस लौटने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि DCC अध्यक्ष बूथ और मंडल स्तर पर कमेटियां बनाते समय सिर्फ वफादार और मेहनती कार्यकर्ताओं को जगह दें। फूट डालो और राज करो की राजनीति कांग्रेस में नहीं चलनी चाहिए।

राहुल आदतन झूठे, वोट चोरी के आरोपों पर फडणवीस; राज-उद्धव ठाकरे ने पार्टी कार्यकताओं को चेताया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आदतन झूठा कहा और भाजपा पर लगे वोट चोरी के आरोपों को खारिज कर दिया। फडणवीस ने कहा कि विपक्षी नेताओं का यह झूठ केवल खुद को तसल्ली देने के लिए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि राहुल गांधी आदतन झूठ बोलने वाले हैं। वह लगातार झूठ फैलाते रहते हैं। दुख होता है जब कुछ महाराष्ट्र के नेता भी यह मानने लगते हैं कि राहुल गांधी सच बोल रहे हैं। राहुल गांधी के इस आरोप पर कि भाजपा ने वोट चुराए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि झूठ की कोई बुनियाद नहीं होती। उन्होंने कहा, झूठ पर खड़ा किया गया किला टिकता नहीं है। जब तक उन्हें यह समझ नहीं आएगा कि जनता का विश्वास जीतने के लिए जनता के बीच जाना पड़ता है, तब तक उनका झूठ सिर्फ खुद को बहलाने के लिए होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट चुराए गए और अब बिहार में भी वोट चोरी की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप है कि यह सब केंद्र की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है। कई अन्य विपक्षी दलों ने भी वोट चोरी का मुद्दा उठाया है।

बुलंदशहर में सड़क हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत

● कंटेनर ने ट्रैटर-ट्रॉली को मारी टक्कर ● गर्भवती पत्नी को पति के मौत की खबर नहीं दी

बुलंदशहर,एजेंसी। यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है। मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मृतक विकास की गर्भवती पत्नी को हादसे के बारे में नहीं बताया गया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही डीएम श्रुति और SSP दिनेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए। SSP ने बताया- 10 घायलों को बुलंदशहर जिला अस्पताल में और 23 को खुर्जा अस्पताल में भर्ती किया गया है। 10 घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कंटेनर का ड्राइवर फरार हो गया। कंटेनर में धान की भूसी भरी थी। हाईवे से ट्रैक्टर को हटाकर यातायात फिर से चालू करा दिया गया है।

मरने वाले सभी कासगंज के

मृतकों की पहचान कासगंज निवासी ईपू बाबू (40) रामबेटी (65), चांदनी (12) धनीराम (40), मोक्षी (40) शिवांश (6), योगेश (50), लेखराज (40) और विनोद (45) के रूप में हुई है। घायल राजकुमार ने बताया- ट्रैक्टर बहुत धीरे-धीरे चल रहा था। हम लोग नींद में थे। बच्चे भी सब सो गए थे, तभी अचानक पीछे से कंटेनर ने टक्कर मार दी। इतनी जल्दी क्या हो गया, किसी को समझ में नहीं आया। बच्चे दर्द से चीख रहे थे। कुछ लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। जहां हादसा हुआ, वहां कोई मोड़ भी नहीं था। मृतक धनीराम के बेटे अर्जुन ने बताया कि हम चार बहन और दो भाई हैं। एक बहन की शादी हुई है। बाकी अभी किसी की नहीं हुई। हमारे पिता मजदूरी करने का काम करते थे। घर में मां हैं। पापा के भरोसे ही घर चलता था। हादसे में उनकी मौत हो गई। ट्रैक्टर पर दो गांव मिलकिनियां और रफातपुर के लोग सवार थे।

अपने ही कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महाराष्ट्र सरकार

निमिषा प्रिया मामले से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार जुडपी जंगल की करीब 86,409 हेक्टेयर भूमि को वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के दायरे से बाहर करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। सरकार ने इस इलाके में हुए अतिक्रमण को भी बिना किसी दंड और क्षतिपूर्ति के नियमित करने की भी मांग की है। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार की यह मांग उसके ही अपने कानूनी ढांचे के विपरीत हैं। साथ ही ये मांग सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्ति केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की सिफारिशों के भी खिलाफ है।

क्या है मामला : जुडपी जंगल, महाराष्ट्र के पूर्वी विदर्भ के नागपुर, वर्धा, भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिलों में सरकारी राजस्व अभिलेखों में जंगल के रूप में दर्ज झाड़ीदार भूमि है। ऐतिहासिक रूप से, इस भूमि को निम्न भूभाग के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जहां की मिट्टी खराब थी और जहां घने वृक्ष नहीं हो सकते। इस जंगल का उपयोग लंबे समय से मवेशियों की चारागाह, श्मशान स्थल, खलिहान और स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों व अन्य ग्रामीण बुनियादी ढांचों के लिए किया जाता रहा है। हालांकि जुडपी के जंगलों का पारिस्थितिक महत्व है। ये जंगलों और कृषि भूमि के बीच संक्रमणकालीन पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करते हैं। उच्चतम न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक दिसंबर 1996 के टी.एन. गोदावर्मन फैसले में कहा था कि सरकारी अभिलेखों में वन के रूप में दर्ज कोई भी भूमि, चाहे उसकी गुणवत्ता या स्वामित्व कुछ भी हो, वन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत आएगी। इससे जुडपी के जंगल सख्त वन संरक्षण कानूनों के दायरे में आ गए। इस महीने की शुरुआत में दायर महाराष्ट्र सरकार के हलफनामे में कहा राज्य ने अदालत से यह घोषित करने का आग्रह किया है कि वन प्रबंधन के लिए अनुपयुक्त जुडपी की 86409 हेक्टेयर भूमि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के दायरे में नहीं आती है और 12 दिसंबर, 1996 के आदेशों के प्रावधानों को भी लागू नहीं करती है।

लुधियाना में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

महिला ने सारे कपड़े उतार फेंकें, पति वहीं खड़ा था; चाबियां चोरी होने पर बुलाया था

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब के लुधियाना के श्री गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। एक महिला ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपने कपड़े उतारकर फेंक दिए। वहां अरदास करने पहुंचे लोगों ने किसी तरह उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और हंगामा करती रही। इसके बाद संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। घटना श्री गुरुद्वारा साहिब में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। इसका वीडियो सामने आने के बाद संगठन अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सदस्य जसवंत सिंह चीमा की शिकायत पर थाना साहनेवाल की पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धारा 298 BNS के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महिला ने ऐसा क्यों किया। शुरूआती जांच में चाबियां चोरी होने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर महिला पर शक था। फिलहाल, रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पति की मौजूदगी में उतारे महिला ने कपड़े : पुलिस को जानकारी देते हुए जसवंत सिंह चीमा ने कहा कि मैं अकाली दल (वारिस पंजाब दे) का सदस्य हूं। मुझे सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो से पता चला कि गांव जुगियाणा थाना साहनेवाल के अधीन गुरुद्वारा श्री रविदास जी महाराज में 21 अगस्त को एक महिला अपने पति के साथ पहुंची।

चिल्लाते हुए अपने कपड़े निकालकर फेंक दिए

चीमा ने आगे बताया कि वीडियो में दिखाई दे रहा है कि महिला पहले तेज-तेज बोल ही रही थी, फिर हाथ-पैर हिलाते हुए जोर-जोर से चिल्लाने लगी। अचानक उसने अपने कपड़े उतार कर वहीं फेंक दिए। इस दौरान वहां पहुंची महिला संगत ने उसे श्री गुरु ग्रंथ साहिब से दूर हटाया और बाहर ले गए। चीमा ने आगे कहा कि महिला ने उक्त घटना को अंजाम देकर समस्त पंजाब निवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

राजस्थान के सीकर में रेल-ट्रैक पर पानी, जयपुर-आगरा हाइवे डूबा

पटना में कई जगह 3 फीट तक पानी; यूपी के चंदौली में बांध टूटने से बाढ़

नई दिल्ली/भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 2 दिन से भारी बारिश हो रही है। जयपुर, सीकर के कई इलाकों में पानी भर गया है। सीकर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक डूब गया। उदयपुर में खेरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग NH 927ए पर सोम नदी का पानी आने से रास्ता बंद है। जबकि जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर 23 अगस्त से पानी भरा हुआ है। सवाई माधोपुर में बारिश के बाद करीब 50 फीट जमीन धंस गई। बिहार के पटना में सोमवार सुबह मूसलाधार बारिश हुई। इससे कुर्जी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना जंक्शन, गांधी मैदान, खेतान मार्केट, जेपी गंगा पथ समेत कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। यूपी में बारिश से चंदौली में घाघरा नदी पर बना मुसाहिबपुर बांध अचानक टूट गया। इसका पानी 5 गांवों में घुस गया है। फर्रुखाबाद का भुड़िया भेड़ा गांव गंगा नदी की बाढ़ से टापू बन गया है। इसके चलते लोग नाव से आ-जा रहे हैं।

ओडिशा में कानी नदी के किनारों में 30 मीटर की दरार : उत्तरी ओडिशा के बालासोर, भद्रक और जाजपुर ज़िलों के बड़े हिस्से उफान पर आई नदियों के कारण डूब गए हैं। सबसे ज़्यादा प्रभावित बालासोर ज़िले में, सुवर्णरेखा नदी के उफान से बालीपाल, बस्ता, भोगराई और जेलेश्वर ब्लॉक डूबे हैं। जाजपुर के कसपा में अहियास बाजार के पास बैतरणी की सहायक नदी कानी के तटबंध में 30 मीटर की दरार आ गई है।

उत्तराखंड में गंगोत्री हाईवे लैंडस्लाइड से बंद, पुलिस ने ट्रैफिक रोका : उत्तरकाशी पुलिस ने सोमवार को बताया कि भूस्खलन के कारण गंगोत्री राजमार्ग नलूना के पास अवरुद्ध है। मार्ग की मरम्मत के लिए मशीनरी तैनात कर दी गई है, लेकिन राजमार्ग को बहाल करने में समय लग रहा है। सुरक्षा कारणों से दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है और सुरक्षित स्थानों पर यातायात रोक दिया गया है।

निक्की हत्याकांड : पत्नी और भाभी के इंस्टाग्राम चलाने से नाखुश था आरोपी विपिन, आए दिन होती थी लड़ाई

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। घर में निक्की के बुटीक व भाभी कंचन के ब्यूटी पार्लर चलाने से विपिन नाखुश था। साथ ही, उसे दोनों बहनों का इंस्टाग्राम चलाना भी पसंद नहीं था। आरोपी आए दिन निक्की से लड़ता था। विपिन के फरार होने के बाद पुलिस ने आरोपी के परिजनों को कोतवाली बुलाया था। खानपुर गांव निवासी सोनू भाटी ने बताया कि गांव में रहने वाले एक दोस्त की मौसी का बेटी विपिन है।

इस कारण विपिन दूर के रिश्ते में उनका भतीजा है। परिवार का काम अच्छा चलता है। विपिन का बड़ा भाई रोहित एक कंपनी में कार चलवाता है जबकि विपिन पिता के साथ दुकान पर बैठता है। लड़ाई बुटीक खुलवाने को लेकर है। मां दया और विपिन के निक्की से मारपीट की लेकिन जो वीडियो वायरल हो रही है वह पिछले साल नवंबर की है। इसके बाद समझौते को लेकर पंचायत हुई थी। बुटीक बंद हो गया था।

मारपीट की पुरानी वीडियो इंस्टाग्राम पर डाली गई है। इस बार भी बुटीक खुलवाने को लेकर निक्की व कंचन ने योजना बनाई थी। निक्की ने खुद ही थिनर डाला था। घटना के समय विपिन और पिता घर के बाहर नीचे थे। मां दया दूध लेने के लिए गई थी जबकि रोहित काम से गया था।

भद्दी टिप्पणियां करते थे लोग 5 सोनू का आरोप है कि दोनों के इंस्टाग्राम चलाने पर समाज के लोग भद्दी टिप्पणियां करते थे। दोनों बहनों को सोशल मीडिया पर रील बनाने का शौक था। इस कारण आए दिन कंचन मेकओवर नाम से इंस्टाग्राम अकाउंट पर रील बनाने के साथ वीडियो और फोटो पोस्ट करती थी। इस पर आने वाली भद्दी टिप्पणियों को लेकर भी विवाद होता था।

निक्की के भाई की शादी पाली पल्ली गांव में हुई थी। उसने दूसरे समुदाय की युवती के चक्कर में अपनी पत्नी को छोड़ दिया था। विपिन के पिता ने इसका फैसला कराया था जिसमें 35 लाख रुपये में समझौता हुआ था। इस दौरान विपिन के पिता ने रिश्तेदारी निभाने के लिए 35 लाख रुपये देने की हामी भरी थी। यह लड़ाई इन पैसों को लेकर थी। विपिन के पिता पर पैसा देने का दबाव बनाया जा रहा था।

एक लड़की से अवैध संबंध का वीडियो वायरल 5 विपिन के एक लड़की से अवैध संबंध को लेकर सोशल मीडिया पर वर्ष 2024 का एक वीडियो वायरल हो रहा है। आरोप है कि विपिन कार में एक लड़की के साथ पकड़ा गया था। कुछ लोग उसके साथ हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कार में एक लड़की बैठी है। कार के बाहर मौजूद लोग आरोपी का कॉलर पकड़कर माफी मंगवा रहे हैं। हालांकि, वीडियो के बारे में परिजनों से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस घटना बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

डेढ़ साल की बच्ची से पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म, लोगों ने नशे में धुत आरोपी को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में डेढ़ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी पड़ोस में रहने वाला 24 साल का युवक है, जिसने अपने कमरे में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। लोगों ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार को कापसहेड़ा थाना के अंतर्गत बिजवासन गांव में डेढ़ साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न की शिकायत मिली। पुलिस को बच्ची की मां ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे उसका 24 साल का पड़ोसी उसकी डेढ़ साल की बेटी को अपने कमरे में ले गया। कुछ देर बाद अंदर से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खोलने पर उसने बच्ची को बिना कपड़े में देखा। वह खून से लथपथ हालत में थी। आरोपी नशे की हालत में था।

गलत दिशा से आ रही बाइक कार से टकराई, दोपहिया चालक की मौत

दिल्ली, एजेंसी। द्वारका एक्सप्रेसवे पर शनिवार रात गलत दिशा से आ रही बाइक कार से टकरा गई। हादसे के बाद कार मालिक और चालक गंभीर रूप से घायल बाइक चालक को पास के अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी शिनाख्त छावला निवासी सुमित (29) के रूप में हुई है। द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि घटना शनिवार रात 8:30 बजे की है। पुलिस को रात में द्वारका एक्सप्रेस वे द्वारका निकास के पास सड़क हादसे की जानकारी मिली। पुलिस ने दोनों वाहनों की फोटो और वीडियोग्राफी करने के बाद क्राइम टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस को मौके पर वसंत विहार निवासी जसप्रीत मिला। जसप्रीत ने पुलिस को बताया कि वह पिता बलदेव सिंह के साथ कार से बहादुरगढ़ से वसंत विहार जा रहे थे। कार को ड्राइवर महेंद्र सिंह चला रहा था। घटनास्थल के पास गलत दिशा से आ रही बाइक उनकी कार से टकरा गई। हादसा होते ही उसके पिता और ड्राइवर घायल बाइक चालक को लेकर इंदिरा गांधी अस्पताल गए। पुलिसकर्मी तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां पता चला कि डॉक्टरों ने बाइक चालक को मृत घोषित कर दिया है। बाइक सवार के पास से मिले दस्तावेज से उसकी पहचान छावला निवासी सुमित के रूप में हुई। पुलिस ने उसके परिवार वालों को घटना की जानकारी देने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अस्पताल में कार चालक महेंद्र सिंह मिला, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बाइक सवार ने ठेली वाले को मारी टक्कर, मौत

उत्तर-पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। नंद नगरी इलाके में शुक्रवार रात एक बाइक सवार ने ठेले वाले को टक्कर मार दी। हादसे में ठेले वाला बुरी तरह जख्मी हो गया। गंभीर हालत में पीड़ित सचिन (36) को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी हिमांशु (18) को गिरफ्तार कर लिया। सचिन की मौत से नाराज परिजनों ने रविवार दोपहर गगन सिनेमा के सामने उसका शव रखकर विरोध-प्रदर्शन किया। परिजनों की मांग थी कि आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लेने के अलावा सचिन के परिवार को मुआवजा भी दिलाया जाए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर वहां से हटाया। पुलिस के मुताबिक सचिन अपने परिवार के साथ सुंदर नगरी नंद नगरी में रहता था। परिवार में पिता रामपाल, मां सोहनकली के अलावा दो छोटे भाई कालीचरण व अवनीश है। सचिन फलों की ठेली लगाता था। इसका छोटा भाई भी फल बेचता है। शुक्रवार देर रात को नंद नगरी में 212 बस स्टैंड के पास रांग साइड से आए बाइक सवार ने सचिन को टक्कर मार दी। हादसे में सचिन बुरी तरह जख्मी हो गए। लोगों ने बाइक सवार को मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। सचिन ने शनिवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने रविवार को उसके शव का पोस्टमार्टम करवाया। परिजन शव लेकर गगन सिनेमा पहुंच गए और इन लोगों ने सड़क जाम कर दी। करीब एक घंटे तक सड़क जाम रखने के बाद पुलिस ने परिवार को समझाक कि उसने चिकित्सा पेशेवरों की ली जाने वाली पवित्र शपथ, यानी परोपकार, अहिंसा और गोपनीयता का पालन करने की शपथ को तिलांजलि दी और एक निर्दोष जीवन को नष्ट करने की साजिश रचने लगा।

दूसरा आरोपी तहसीन गिरफ्तार, राजकोट से राजधानी लाकर पुलिस ने शुरू की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान मुख्य आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजी के दोस्त तहसीन सैयद के रूप में हुई है। बुधवार को, सिविल लाइंस स्थित अपने कैंप कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री गुप्ता पर हमला हुआ था। हमले के सिलसिले में ऑटोरिक्शा चालक खिमजी (41) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि तहसीन को शुक्रवार रात पूछताछ के लिए गुजरात के राजकोट से राजधानी लाया गया था और आज उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

तहसीन 15 साल पुराना दोस्त है

शुक्रवार को दिल्ली पुलिस की एक टीम राजकोट पहुंची थी। वहां पुलिस ने राजेश दोस्त तहसीन, जिग्नेश और चिराग समेत के पांच लोगों से पूछताछ की। पुलिस आरोपी तहसीन उर्फ बापू को लेकर दिल्ली आ गई। तहसीन राजेश का 15 साल पुराना दोस्त है। तहसीन ने ही जी-पे से राजेश को दिल्ली में 2000 रुपये भेजे थे। इसके अलावा वह पहले भी उसे पैसे भेजता रहा है। खूंखार अपराधी है सीएम पर हमला करने वाला राजेश दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हमला करने का आरोपी राजेश भाई खिमजी भाई सकरिया खूंखार अपराधी है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि वर्ष 2017 में आरोपी ने मामूली झगड़े के दौरान एक युवक पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद उसने पास में मौजूद कपड़े धोने वाली थपकी से उसे मार-मारकर अधमरा कर दिया था। राजेश को 2021 में तड़ीपार कर दिया गया था। उसके खिलाफ राजकोट के भक्ति नगर थाने में मारपीट, हमला करने और शराब तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं।

सुना रहा है पुलिस को नई नई कहानी : शुरुआत में पकड़े जाने पर आरोपी ने पुलिस को बताया था कि उसका रिश्तेदार दिल्ली की जेल में बंद है। उसकी पैरवी के लिए वह मुख्यमंत्री के पास आया था लेकिन छानबीन में उसकी कहानी झूठी निकली। पुलिस रिमांड के दौरान उसने काल भैरव के सपने की बात बताकर कुत्ते के आदेश पर दिल्ली आने का खुलासा किया। अब लगातार वह पुलिस को नई-नई कहानियां सुना रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर और एक पेड़ मां के नाम पहल से सजेंगे पंडाल, अंतरिक्ष में घूमते दिखेंगे बप्पा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कें फिर से गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजने वाली हैं। इस बार गणेश चतुर्थी में ऑपरेशन सिंदूर की देशभक्ति वाली थीम और एक पेड़ मां के नाम अभियान की हरी-भरी झलक से पंडाल गुलजार होंगे। बुधवार से शुरू होने वाले दस दिवसीय महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर रहेगा। इस बार कई पंडालों में जलाशय बनाए जा रहे हैं, जहां गणपति का विसर्जन होगा। बाद में उसी पानी से पौधे लगाए जाएंगे। लक्ष्मी नगर, रोहिणी, द्वारका, करोल बाग, राजौरी गार्डन और साकेत जैसे इलाकों में बड़े पंडाल सजाए जा रहे हैं। इस बार हर पंडाल की खास थीम है। कहीं महाराष्ट्र की झलक तो कहीं दक्षिण भारत की परंपरा देखने को मिलेगी।

लक्ष्मी नगर के श्री गणेश सेवा मंडल में देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा मेल देखने को मिलेगा। इस साल यहां के पंडाल पर ऑपरेशन सिंदूर की थीम छाई हुई है, जो सेना की ऑपरेशन से प्रेरित है। इसके अलावा कई पंडालों में गणपति को सेना की वर्दी में सजाया जाएगा। इसके माध्यम से जवानों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

आयोजक महेंद्र सिंह लड्डा बताते हैं कि पिछले 24 साल से गणेश चतुर्थी का आयोजन कर रहे है। उन्होंने बताया कि वह हर साल इको-फ्रेंडली मूर्ति बनवाते हैं। इस बार भी मूर्ति में मिट्टी और पानी के रंगों का इस्तेमाल किया गया, जो इसे पर्यावरण अनुकूल बनाता है। इसके अलावा समितियां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ योगा कैम्प, पर्यावरण प्रदर्शनी और रक्तदान शिविर भी आयोजित करेंगी।

अंतरिक्ष में घूमते दिखेंगे बप्पा : गणेशोत्वस के कुछ पंडालों में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के स्पेस मिशन वाली थीम भी दिखेगी। कुछ पंडालों को अंतरिक्ष यान की शक्ल देने की तैयारी है। करोल बाग पंडाल के आयोजक राम ने बताया कि बप्पा इस बार अंतरिक्ष में घूमते नजर आएंगे। इससे बच्चों को विज्ञान और देशभक्ति का संदेश दिया जाएगा। आकाश व अग्नि मिसाइल और तेजस फाइटर जेट के मॉडल भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

हर साइज की मूर्तियां हैं उपलब्ध : बाजार में छोटे से लेकर बड़े साइज तक गजानन उपलब्ध हैं। चार इंच से 6 इंच वाली छोटी मूर्तियां 399 रुपये से शुरू होकर 999 रुपये तक मिल रही हैं।

दिल्ली के जैतपुर में पिता ने की फायरिंग, बेटे को लगी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जैतपुर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक पिता ने फायरिंग की, जिसकी वजह से उनके बेटे को कंधे में गोली लगी। घायल बेटे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पिता ने फायरिंग क्यों और कैसे की। घटना के समय आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। बताया जा रहा है पिता के लाइसेंस पिस्टल से फायरिंग हुई है। वहां पहुंचे लोगों ने आरोपी को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने बच्ची को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बच्ची की मां के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की छानबीन कर रही है।

एपस्टीन मामले में प्रिंसेस डायना की एंट्री, मैक्सवेल का दावा- दोनों की लंदन में मुलाकात कराई गई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा शुक्रवार जेफ्री एपस्टीन मामले में कुछ टेप जारी किए गए। इन टेप में जेफ्री एपस्टीन की सहयोगी रही गिस्लेन मैक्सवेल के बयान हैं। एक बयान में मैक्सवेल ने संकेत दिए हैं कि ब्रिटेन की दिवंगत राजकुमारी डायना के साथ भी एपस्टीन की मुलाकात हुई थी। मैक्सवेल का दावा है कि दोनों की मुलाकात तय की गई थी।

मैक्सवेल ने किया चौंकाने वाला खुलासा : एपस्टीन पर यौन तस्करी और यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं। मैक्सवेल, एपस्टीन की सहयोगी रही और यौन तस्करी में साथ देने के अपराध में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई है। फिलहाल वह जेल में बंद हैं और वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से क्षमादान की मांग कर रही है। पिछले महीने डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने मैक्सवेल से पूछताछ की। इस पूछताछ के दौरान मैक्सवेल ने बताया कि एपस्टीन से मिलने से पहले, वह लंदन में रहती थी और वहां कुछ ऊंचे ओहदे वाले लोगों से उसकी जान-पहचान थी। इनमें राजकुमारी डायना की सबसे अच्छी दोस्त रोजा मॉन्कटन भी शामिल थी। मैक्सवेल ने बताया कि रोजा के पति डोमिनिक लॉसन एक प्रसिद्ध पत्रकार थे।

लंदन में राजकुमारी डायना और एपस्टीन की मुलाकात आयोजित कराई गई थी : मैक्सवेल ने बताया कि रोजा ने एक बार लंदन में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें जेफ्री एपस्टीन भी शामिल हुआ था। मैक्सवेल ने बताया, मुझे नहीं पता कि वह डायना के साथ बैठा था या डायना से मिला था। वह उनसे पहले भी मिल चुका था। मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि दोनों की मुलाकात रोजा ने ही आयोजित की थी। मैक्सवेल ने कहा मैं डायना की बुराई नहीं करना चाहती। इसके बाद मैक्सवेल कुछ बोलते-बोलते रुक गई और इस बारे में आगे बात नहीं की। हालांकि मैक्सवेल का कहना है कि साल 2000 के आसपास एपस्टीन और डायना की मुलाकात हुई होगी, लेकिन डायना की 31 अगस्त, 1997 को पेरिस में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। मैक्सवेल ने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने एपस्टीन को शाही परिवार से मिलवाया था। लेखक में यह भी लिखा है।

पीएम ओली की भारत और चीन यात्रा पर नजरें, सीमा विवाद सुलझाने पर रहेगा जोर

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आगामी भारत यात्रा पर लिपुलेक विवाद का सीधा असर पड़ने की संभावना कम दिख रही है। उच्चस्तरीय सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली इस दौरे को सीमा विवाद सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास के अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली चीन और भारत की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। नेपाल जिस लिपुलेक क्षेत्र को अपना अभिन्न अंग मानता है, वहां से भारत और चीन ने व्यापार शुरू करने का समझौता किया, जिसके बाद विवाद गहराया। लगभग 13 महीने के अपने तीसरे कार्यकाल के बाद प्रधानमंत्री ओली को भारत जाने का निमंत्रण मिला है। हाल ही में नेपाल आए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ओली को भारत यात्रा का औपचारिक निमंत्रण सौंपा। ओली के सचिवालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने भी इस निमंत्रण के लिए आभार प्रकट किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ओली 16 सितंबर को दो दिवसीय भारत यात्रा पर जाएंगे। हालांकि, भारत यात्रा से पहले प्रधानमंत्री ओली चीन जाएंगे। वह 30अगस्त को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने बीजिंग जाने वाले हैं। कुछ हलकों का मानना है कि सीमा विवाद की स्थिति में यात्रा करना उचित नहीं होगा, जबकि अन्य का विचार है कि विवाद सुलझाने के लिए इसी यात्रा को अवसर के रूप में लेना चाहिए। प्रधानमंत्री का सचिवालय इस विषय पर अब तक चुप है। सूत्रों के अनुसार, ओली ने प्रधानमंत्री मोदी को पहले काठमांडू आने का निमंत्रण दिया था, जिसे भारत ने स्वीकार नहीं किया। लेकिन, यदि ओली की भारत यात्रा सफल रहती है तो भविष्य में मोदी की नेपाल यात्रा की संभावना बढ़ सकती है।

हम आपसी संवाद से चाहते हैं हर समस्या का समाधान- पोखरेल : प्रेस चौतारी नेपाल, महोत्तरी द्वारा 5 अगस्त को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में नेकपा (एमाले) के महासचिव शंकर पोखरेल ने कहा कि भले ही चीन और भारत ने हालिया समझौते में नेपाल को शामिल नहीं किया, फिर भी ओली की सद्भावना यात्रा प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा, हम हर समस्या का समाधान आपसी संवाद और चर्चा से चाहते हैं।

आपसी विवाद में दो भाइयों समेत तीन लोगों पर चाकू से हमला, एक की हुई मौत और दो की हालत गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र के जेजे कॉलोनी बवाना में शनिवार देर रात आपसी विवाद में दो भाइयों समेत तीन लोगों पर कुछ हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना में 29 साल के नियाज की मौत हो गई, जबकि उसके भाई निहाल और भांजे तौकीर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिवारवालों के मुताबिक, एक आरोपी निहाल से अकसर पैसे की मांग करता था और पैसा नहीं देने पर उसकी पिटाई करता था। इस बात की शिकायत पीड़ित ने पुलिस से कर दी थी। इसी बात को लेकर बदमाश अपने साथियों के साथ इनपर चाकू से हमला कर दिया। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि घटना में शामिल दो आरोपी तोशिफ और अरु को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि भागे हुए एक आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

आधी दिल्ली में अंधेरा: बिजली आपूर्ति अचानक ठप, आठ लाख लोगों के घरों में जली मोमबत्ती, देखें इलाकों की सूची

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को उत्तरी दिल्ली के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति अचानक बंद होने से करीब आठ लाख लोग के घरों में अंधेरा छा गया। इस बिजली कटौती का असर रोहिणी, शालीमार बाग, सिविल लाइंस जैसे इलाकों पर पड़ा। बिजली बंद होने की वजह 220 किलोवाट ग्रिड से आपूर्ति में 550 मेगावाट की अचानक कमी बताई गई है।

प्रभावित इलाकों की सूची : तत्काल बिजली वितरण लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस बिजली कटौती से रोहिणी, शालीमार बाग, पितमपुरा, केशवपुरम, अशोक विहार, सिविल लाइंस, शक्ति नगर, मॉडल टाउन, वजीरपुर, रानी बाग, हैदरपुर, संजय गांधी, भलस्वा, बदली, जिरकपुर और जहांगीरपुरी जैसे इलाके प्रभावित हुए। इन सभी जगहों पर बिजली सप्लाई बाधित हुई।

बहाली का काम शुरू : प्रवक्ता ने कहा कि बिजली कटौती शाम 6:30 बजे शुरू हुई और अब इसे चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जा रहा है। इसके लिए डिस्कॉम की टीमें तुरंत काम पर लग गईं। ट्रांसमिशन कंपनियों के साथ मिलकर वैकल्पिक स्रोतों से बिजली की व्यवस्था की जा रही है ताकि जल्द से जल्द आपूर्ति सामान्य हो सके। के जगतपुरी इलाके में पड़ोसी के कुत्ते ने आठ साल की बच्ची को बुरी तरह से काट लिया। परिवार वालों ने उसे पास के हेडगेवार अस्पताल ले गए, जहां से उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने पड़ोस की महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

रूस ने यूक्रेन के डोनेट्स्क की दो बस्तियां कब्जाईं सैन्य-औद्योगिक परिसर समेत 143 जगह हमले

मॉस्को ,एजेंसी। रूस ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को दावा किया कि उसकी सेना ने पिछले 24 घंटों में यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र की दो बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिणी और पश्चिमी सैन्य समूहों की कार्रवाई के बाद सेरेड्ने और क्लेबन बाइक गांव अब रूस के नियंत्रण में हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि रूसी बलों ने यूक्रेन के एक सैन्य-औद्योगिक केंद्र और 143 स्थानों पर हमला किया, जहां यूक्रेनी सैनिक और विदेशी लड़ाके अस्थायी रूप से ठहरे हुए थे। इसके अलावा, रूसी वायु रक्षा ने पिछले हफ्ते यूक्रेन के हवाई हमलों को नाकाम कर दिया और चार गाइडेड हवाई बम व 160 ड्रोन सफलापूर्वक मार गिराए। ये घटनाएं ऐसे समय में हो रही हैं, जब अमेरिका की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता चल रही है।

जेलेंस्की ने पुतिन के साथ वार्ता की सहमति जताई : इससे पहले, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने दक्षिण अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से उनके अनुरोध पर बात की। मैंने अपने सहयोगियों के साथ संयुक्त राजनयिक प्रयासों और वाशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई सार्थक बैठकों के बारे में जानकारी दी।

रूस को शांति की ओर ले जाए वैश्विक दक्षिण : जेलेंस्की ने आगे कहा, मैंने रूस के प्रमुख के साथ किसी भी तरह की बैठक के लिए अपनी तत्परता दोहराई। हालांकि, रूस एक बार फिर मामले को और आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसलिए यह जरूरी है कि वैश्विक दक्षिण प्रासंगिक संकेत भेजे और रूस को शांति की ओर ले जाए।

ट्रंप ने रूस को फिर दी प्रतिबंध लगाने की धमकी : इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को रूस को एक बार फिर धमकी दी। ट्रंप ने कहा कि अगर यूक्रेन में दो हफ्तों में शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में कोई प्रगति नहीं होती है, तो वे रूस पर प्रतिबंध लगा देंगे। यह अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी गर्मजोशी भरी मुलाकात के एक हफ्ते बाद मास्को के प्रति निराशा व्यक्त करता है।

जेलेंस्की पर बातचीत को आगे न बढ़ने देने का आरोप : इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच होने वाले संभावित शिखर सम्मेलन के लिए अभी तक कोई एजेंडा तय नहीं हुआ है।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक आयोजित

शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं त्यौहार: अपर कलेक्टर

सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग नहीं कर ईकोफ्रेंडली वातावरण में त्यौहार मनाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा शांति समिति के सदस्यों के माध्यम से जिले वासियों से अपील की गई है कि आगामी त्यौहारों गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी, दुर्गोत्सव, दीपावली को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से सजग रहकर भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने तथा जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। अपर कलेक्टर ने कहा कि गणेश उत्सव तथा दुर्गा उत्सव में मिट्टी से बनी मूर्तियों को स्थापित करें। धार्मिक आयोजनों में सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग नहीं करें तथा ईकोफ्रेंडली वातावरण में त्यौहार मनाएं। हम सभी के द्वारा किया गया एक छोटा सा प्रयास पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्धन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत बनायेगा।

गणेश चतुर्थी एवं दुर्गोत्सव में पंडालों में वालेंटियर्स की सूची उपलब्ध करानी होगी: अपर कलेक्टर ने कहा कि त्यौहारों को मनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि सभी सुरक्षात्मक उपाय कर लिए गए हैं। कानून एवं व्यवस्था की स्थिति निर्मित नहीं हो तथा यातायात का सुचारू रूप से संचालन जारी रहे। बैठक में यातायात के सुचारू संचालन के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव तथा दुर्गोत्सव में मूर्ति स्थापना के पूर्व नियमानुसार अनुमति प्राप्त करनी होगी। प्रत्येक पंडाल के आयोजकों को वालेंटियर्स की सूची अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी। सभी पंडालों में वालेन्टियर्स को रात्रि के समय देखरेख करना आवश्यक होगा। पंडालों में विद्युत की व्यवस्था सुचारू रूप से करनी होगी तथा सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाने होंगें। विद्युत सप्लाई में खुले तारों का प्रयोग नहीं करें। विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रत्येक पण्डाल की जांच कर सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी प्रत्येक पंडाल का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के सम्बंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। अपर कलेक्टर ने कहा कि आयोजकों को फायर सेफ्टी एवं इलेक्ट्रिक सेफ्टी का ध्यान रखना आवश्यक होगा तथा सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाने होंगें। इसके साथ ही सभी आयोजन स्थलों में एक हेल्पडेस्क बनाने के लिए कहा गया है जिससे कार्यक्रम के संचालन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

मूर्ति विसर्जन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश: मूर्ति विसर्जन का कार्य केवल चिन्हित स्थानों में ही किया जाएगा। अपर कलेक्टर द्वारा विसर्जन कुण्ड के समीप सुरक्षा के दृष्टिकोण से किए जाने वाले प्रबंधों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने विसर्जन स्थल के निर्धारित स्थल पर बेरिकेटिंग करने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने विसर्जन स्थल के समीप जेसीबी मशीन, गोताखोर, चिकित्सीय दल के साथ-साथ प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही छाया, पेयजल एवं पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार से अवरोध उत्पन्न ना हो, इसका विशेष ध्यान देते हुए मूर्तियों का विसर्जन स्थल तक पहुंचने के रूटचार्ट के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि मूर्ति विसर्जन स्थल पर सभी आवश्यक सावधानियां बरतें। बच्चों को विसर्जन स्थल से दूर रखें तथा विसर्जन का कार्य दिन में ही करना सुनिश्चित करेंगे।

अराजक तत्वों के विरूद्ध होगी वैधानिक कार्यवाही: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस द्वारा सतत रूप से चौकसी रखी जाएगी तथा कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को अवगत कराएं। तुरंत कड़े एवं प्रभावी कदम उठाए जाएगें। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जायेगी। सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी एवं आयोजक मंडल के अनुमति के बिना सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों का प्रसार नहीं करें। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रकार के आयोजन के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए कहा है।

60 हजार का 3 किलो गांजा जब्त, देवरा गांव में 2 आरोपी गिरफ्तार, 1 फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जयसिंहनगर पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 6 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। देवरा गांव निवासी सुभेलाल साहू (30) और रब्बू शुक्ला बाइक पर गांजा ले जा रहे थे। पुलिस ने सूचना मिलने पर देवरा मार्ग पर घेराबंदी कर सुभेलाल को पकड़ लिया। उसके पास से तीन पैकेट में 3.116 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस गांजे की कीमत करीब 30 हजार रुपए है। रब्बू शुक्ला जंगल का फायदा उठाकर भाग निकला।

पुलिस को एक अन्य सूचना मिली कि देवरा गांव में नारायण दास शुक्ला (42) के घर गांजा छिपा कर रखा गया है। छापेमारी में उसके घर से 3.186 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस गांजे की कीमत भी करीब 30 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। फरार आरोपी रब्बू शुक्ला की तलाश जारी है। जयसिंहनगर पुलिस का कहना है कि उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अनुसूचित जनजाति छात्रावास में बीमार छात्र की मौत, अधीक्षक पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। पुलिस लाइन पटेल नगर स्थित सीनियर अनुसूचित जाति छात्रावास में रहने वाले राजा प्रजापति (15) की जबलपुर मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। राजा बोड़री गांव का रहने वाला था। वह 10वीं का छात्र था। राजा को पहले बुखार आया था। बाद में स्थिति बिगड़ी और निमोनिया हो गया। उसे 22 अगस्त को जिला अस्पताल की पीआईसीयू में भर्ती कराया गया। स्थिति में सुधार न होने पर जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

परिजनों और छात्रावास के अन्य छात्रों ने छात्रावास अधीक्षक रमेश द्विवेदी पर समय पर उपचार न कराने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि राजा को कई दिन से बुखार था। उसने इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन अधीक्षक ने इस पर ध्यान नहीं दिया। राजा अनाथ था। वह अपनी बहन के साथ चाचा-चाची के संरक्षण में रह रहा था। चाचा पप्पू प्रजापति को अस्पताल में भर्ती करने के बाद ही सूचना दी गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसबीएस चंदेल के अनुसार मामला कलेक्टर और सहायक आयुक्त के संज्ञान में है। लापरवाही की जांच का आश्वासन दिया गया है। छात्र का शव उसके गांव बोड़री पहुंचा दिया गया है।

सिंगरौली को मिला मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने किया वर्चुअल लोकार्पण; 100 सीटें मंजूर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। लगभग एक वर्ष में पूरा होगा। यह मेडिकल कॉलेज सिंगरौली के लिए अहम है। मध्य प्रदेश के सिंगरौली के नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसके कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित उद्घाटन समारोह में सिंगरौली महापौर, विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष, एसपी और कलेक्टर उपस्थित थे। मेडिकल कॉलेज के डीएन आरडी दत्त ने बताया कि पहले वर्ष में 100 सीटें मंजूर की गई हैं। लगभग 50 फैकल्टी सदस्य एक साथ काम करेंगे। एक सप्ताह में क्लास रूम तैयार हो जाएंगे। बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल में एमबीबीएस और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल के छात्र पहले से मौजूद हैं।

एक साल में तैयार होगा 605 बिस्तरों का अस्पताल: 25 एकड़ में फैले इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण 2023 में शुरू हुआ, जिसकी कुल लागत 24 हजार 827 करोड़ रुपए है। परिसर में 605 बिस्तरों का अस्पताल भी बन रहा है, जो अंतिम छोर पर स्थित इस औद्योगिक क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कोयला और फ्लाई ऐश प्रदूषण से विभिन्न बीमारियां होती हैं। पहले लोगों को रीवा या जबलपुर मेडिकल कॉलेज जाना पड़ता था। अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मजदूरों की मजदूरी सरपंच ने परिवार के खातों में डाली, उमरिहा में पुलिया निर्माण; 6 महीने से नहीं मिला भुगतान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ग्राम उमरिहा में मजदूरों को न्याय के लिए पुलिया पर धरना देना पड़ा। मजदूरों ने छह महीने पहले पुलिया निर्माण में काम किया था। लेकिन अब तक उन्हें मजदूरी नहीं मिली है। समाजसेवियों के हस्तक्षेप के बाद मजदूरों को भुगतान का आश्वासन मिला है। मजदूरों की बार-बार की शिकायतों के बावजूद जनपद पंचायत की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सरपंच राम सुशील साकेत ने स्वीकार किया कि मजदूरी की राशि मजदूरों के खातों में न भेजकर अपने बेटे और बहू के खातों में डाल दी गई। उन्होंने कहा कि वे पैसा निकालकर मजदूरों को दे देंगे।

एक तगाड़ी सीमेंट से बनाया मसाला: मजदूर रानी साकेत ने निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि एक तगाड़ी सीमेंट में 14 तगाड़ी बालू और गिट्टी डालने का निर्देश दिया गया। इससे पुल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। सचिव विनोद सिंह ने कहा कि यह घटना उनके कार्यकाल से पहले की है। उन्होंने माना कि मजदूरी का भुगतान परिवार के खातों में करना नियम विरुद्ध है। जनपद पंचायत सीईओ राजीव तिवारी ने इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

खाद-बीज की कालाबाजारी की शिकायत, निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारी; संचालकों को दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन में प्रशासन ने खाद और बीज की कालाबाजारी रोकने के लिए कार्रवाई की है। तहसीलदार आशीष मिश्रा और नायब तहसीलदार महेन्द्र द्विवेदी ने नगर परिषद क्षेत्र की दुकानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मनोज बीज भंडार और भूमका बीज भंडार सहित 6 दुकानों की जांच की। दुकानदारों को किसानों के हितों के विरुद्ध कार्य न करने की चेतावनी दी गई। ग्राम कपुरी में पंकज ट्रेडर्स पर अधिक कीमत पर खाद बेचने की शिकायत मिली है। तहसीलदार ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जांच में आरोप सही पाए जाने पर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई होगी।

कालाबाजारी करने वालों पर होगा एक्शन: तहसीलदार आशीष मिश्रा ने बताया कि सरकार किसानों को उचित दर पर खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन किया है। किसानों का कहना है कि कालाबाजारी के कारण उन्हें बाजार से ज्यादा कीमत पर खाद-बीज खरीदना पड़ता है।

3 पशु तस्कर गिरफ्तार, जैतपुर पुलिस को नहीं मिले वैक्सीनेशन से जुड़े दस्तावेज; भैंसें जब्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर में पुलिस ने पशु क्रूरता के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पावनपथरा-कोलमीछोट के जंगल में कार्रवाई की। आरोपियों में अनूपपुर जिले के बिरेन्द्र साहू (29), रवि साहू (38) और केदार प्रसाद चतुर्वेदी (48) शामिल हैं। इन्हें भैंसों को क्रूरतापूर्वक ले जाते हुए पकड़ा गया। आरोपियों के पास भैंसों की खरीदी या वैक्सीनेशन से जुड़े कोई दस्तावेज नहीं मिले।

पुलिस ने तीनों भैंसों को जब्त कर गवाहों की मौजूदगी में सुरक्षित सुपुर्दगी में दे दिया है। जैतपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक ने बताया कि पशुओं के साथ क्रूरता रोकना उनकी प्राथमिकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंद फैक्ट्री से 13 मोटरें चोरी, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार; लोडर ऑटो समेत 4 लाख का माल बरामद

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर में पुलिस ने बंद पड़ी फैक्ट्री से चोरी हुई मोटरों के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल किए गए लोडर ऑटो को भी जब्त कर लिया है।

बंद फैक्ट्री से 13 मोटरें हुई थीं चोरी: मई माह में सोहागपुर थाना क्षेत्र के अंडहाई गांव की एक बंद फैक्ट्री से 13 मोटरें चोरी हुई थीं। फैक्ट्री मालिक नवाब अंसारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर जांच शुरू की।

पुलिस को जानकारी मिली कि वार्ड नंबर 29 के रहने वाले इमरान उर्फ गोलू और इरफान उर्फ कलमुले के पास तांबा की भारी मात्रा है। पहले दबिश में दोनों आरोपी भाग गए। बाद में पुरानी बस्ती से दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चुराई गई 13 मोटरों को एक सुनसान जगह ले जाकर उनसे तांबा निकाला और बेच दिया। थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे के अनुसार, इस मामले में चार लाख रुपए का माल बरामद किया गया है।

पुलिस ने रेत तस्कर को पीछा कर पकड़ा, ट्रैक्टर जब्त

शहडोल। बाणसागर क्षेत्र से पुलिस ने अवैध रेत परिवहन का एक मामला पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए देवलौंद पुलिस ने एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। बाणसागर के पास रेत से भरा एक ट्रैक्टर मिला। पुलिस को देखते ही चालक अमन सिंह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

पुलिस ने जब चालक से रेत परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे तो वह कोई कागजात पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया।

जिले में उर्वरक आपूर्ति के प्रयास जारी : उप संचालक कृषि

सीधी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सीधी द्वारा किसानों को सूचित किया गया है कि जिले में यूरिया की आपूर्ति लगातार जारी है, डबल लॉक केन्द्र एवं सहकारी समितियों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध करायी जा रही है। किसानों से अपील की गई है कि वे किसी भी तरह की अफवाह या पेनिक में न आये। 25 अगस्त को कृषि विभाग के निरीक्षण दल जिसमें उप संचालक कृषि डॉ.राजेश सिंह चौहान, उप परियोजना संचालक आत्मा गीता पटेल द्वारा डबल लॉक अमिलिया सहजी समिति एवं लक्ष्मी ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में 'एड्स जागरुकता' कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में दिनांक 25.08.25 को प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के निर्देशन में ''एड्स जागरुकता कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना (पु.), क्रीडा विभाग एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला चिकित्सालय सीधी से आई हुई विषय विशेषज्ञ जरीना बेगम ने सरस्वती वंदना गाकर कार्यक्रम का शुरूआत किया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ दिलीप कुमार सोनी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से आई हुई विषय विशेषज्ञ जरीना बेगम मंसूरी, आईसीटीसी काउंसलर ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि एड्स अत्यंत भयावह बीमारी है, यह असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित इंजेक्शन एवं गर्भावस्था में मां के साथ बच्चों में स्थानांतरित होता है। इससे बचाव ही एकमात्र इलाज है। प्राचार्य डॉ.पी.के.सिंह ने अपने उद्बोधन में सभी का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि जागरूकता ही एड्स का इलाज है सभी छात्र-छात्राएं अपने-अपने गांव में समाज के हर वर्ग को जागरूक करने का कार्य आवश्यक रूप से करें। साथ ही उनके कक्षा के जो छात्र इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं है उससे भी इसकी चर्चा करके जागरूक करें। सभी को जागरूक होना चाहिए, जिससे हम न केवल स्वयं बल्कि समाज को इससे सुरक्षित रख पाएंगे।

कार्यक्रम में एड्स जागरूकता से संबंधित पंपलेट भी छात्र-छात्राओं को बांटे गए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दिलीप कुमार सोनी, कार्यक्रम अधिकारी (पु.),राष्ट्रीय सेवा योजना थे। आभार प्रदर्शन डॉ. रविंद्र सिंह, क्रीड़ा अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भोला सिंह कुशराम, डॉ. उमेश कुमार सोनी, डॉ. आशुतोष पांडे, प्रो. प्रतिभा सिंह, श्रेया शर्मा, रामानुज पटेल सहित छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया एवं लाभान्वित हुए।

सतपुड़ा आईटीआई के 143 छात्रों का हुआ कैंपस सिलेक्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुंद्रा सोलर लिमिटेड कंपनी में आईटीआई पास छात्रों की भर्ती के लिए कंपनी द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया था। जिसमे आईटीआई और डिप्लोमा पास छात्र जॉब कैंपस में भाग लिए थे जिसमे सतपुड़ा आई टी आई रीवा के 143 छात्रों का चयन कंपनी द्वारा किय गए है। सतपुड़ा आई टी आई के संचालक ने चयनित छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

'त्रिकोण' बनाम अमरीका

संपादकीय

भारत, रूस और चीन में एक बार फिर 'त्रिकोण' उभर रहा है। वैश्विक परिस्थितियां ऐसी हैं कि तीनों देश एक ही मंच पर लामबंद हो रहे हैं। उसे 'आरआईसी' नाम दिया जा सकता है। तीनों देश 'ब्रिक्स' के एक मंच पर भी लामबंद हैं। तीनों देश 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) में भी साथ-साथ हैं। यह 'त्रिकोण' 1998 में भी उभरा था और 2002 में उसके विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। भारत और रूस कई दशकों से 'दोस्त' हैं। उनके बीच व्यापारिक रिश्ते, रणनीतिक साझेदारी रही है, बेशक हालात कैसे भी रहे हों, लेकिन भारत और चीन, रूस और चीन के बीच युद्ध भी हुए हैं और सीमा-विवाद भी रहे हैं। भारत चीन को 'दुश्मन नंबर 1' भी मानता रहा है, लेकिन दोनों एशिया के 'सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश' भी हैं और 2024-25 में दोनों देशों के बीच 127.7 अरब डॉलर का कारोबार भी किया गया। अब विश्व की बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और कूटनीति की कवायद जारी है। रूस और चीन के संबंध कूटनीतिक स्तर पर प्रगाढ़ रहे हैं। चूंकि तीनों देशों का एक साझा खलनायक है- अमरीका, लिहाजा उस पर दबाव बनाए रखने और उसकी अड़चनों और उसके फैसलों से निष्प्रभावी होने के मद्देनजर भारत, रूस, चीन का 'त्रिकोण' पुख्ता होता जा रहा है। रूस पर अमरीकी और यूरोपीय पाबंदियों के दौर में चीन और भारत ने उससे काफी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा। रूस ने भारत के साथ 'रुपया' मुद्रा में कारोबार किया। हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक अखबार में विस्फोटक लेख लिखा और भारत की 'तेल लॉबी' को करार दिया कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की युद्ध-मशीनरी की आर्थिक मदद कर रही है, लिहाजा भारत को रूस से तेल खरीदने से रोका जाए। यथार्थ यह है कि अमरीका और यूरोप तुलनात्मक रूप से रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े खरीददार हैं।

यही वैश्विक परिस्थितियां हैं, जो भारत, रूस, चीन को करीब लाकर 'त्रिकोण' बना रही हैं। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत आए और हमारे विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल तथा अंततः प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। चीन ने महत्वपूर्ण पेशकश की कि वह भारत को खाद, रेयर अर्थ मिनरल्स और सुरंग खोदने की मशीन मुहैया कराने को तैयार है। रेयर अर्थ मिनरल्स करीब 90 फीसदी चीन में ही होते हैं। चीन पहले इन वस्तुओं की आपूर्ति में बाधाएं डालता रहा था। इस माह के अंत में तीनों देशों के शीर्ष नेता एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान चीन में मिलेंगे।

कुत्तों की बैठक में सरकार पर चर्चा

गुरमीत बेदी

पहली बार कुत्तों की हाई लेवल बैठक थी और कुत्तों के झुंड के झुंड इस बैठक में भाग लेने पहुंच गए थे। गांवों, गलियों, कस्बों से लेकर पोश कॉलोनियों में चमचमाती सडक़ों पर रात गुजारने वाले कुत्ते तो विशेष रूप से पधारे हुए थे। इस बैठक में सिर्फ कुत्ते ही भाग लेने पहुंचे थे, कुत्ता प्रेमियों को आमंत्रित नहीं किया गया था। क्योंकि कुत्तों का यह निजी मामला था और वह इसमें इनसानी दखल नहीं चाहते थे। चर्चा का विषय यही था कि सरकार की नोटिफिकेशन और सरकार की नीतियां क्या सचमुच कुत्तों को फोकस में रखकर बनाई गई हैं या फिर कुत्तों को टारगेट में लिया जा रहा है। विषय गंभीर था, इसलिए कुत्ते अपनी आदत के अनुरूप इस बार न तो भौं-भौं कर रहे थे, न एक दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर काट रहे थे। गजब का भाईचारा उनमें देखने को मिल रहा था। बैठक की अध्यक्षता बूढ़े भूरे कुत्ते ने की, जिसे इलाके की सबसे पुरानी नसबंदी के लिए जाना जाता है और जिसने जिंदगी में तीन बार नगर निगम की पकड़ से बचने के लिए गटर में छलांग लगाई है। बैठक शुरू होते ही भूरे ने भौंकने के बजाय धीरे से गुर्राकर कहा, 'अब बस बहुत हुआ साथियो, हर साल हम पर योजनाएं बनती हैं, पर हमारी राय कोई नहीं लेता। हम पर आरोप लगते हैं, हम पर पत्थर फेंके जाते हैं, और चुनाव के समय नेता हमारी पीठ पर हाथ रखकर फोटो खिंचवा जाते हैं। क्या हम सिर्फ इंस्टाग्राम पोस्ट का सामान हैं?' भीड़ में से एक कुत्ता खड़ा हुआ, कॉलोनी वाला पालतू। घुटनों तक कटे बाल, गले में बेल्ट और चमकती हुई आंखें। बोला = 'हमें लोग पालते हैं, खिलाते हैं, फिर जब मन भर जाता है तो सडक़ पर छोड़ देते हैं। हमसे ज्यादा कौन समझेगा वोट बैंक की राजनीति? पहले पालो, फिर निकाल दो!' तालियों के बदले इस बार दुम हिलाकर समर्थन जताया गया। गली वाले कुत्ते और पालतू कुत्तों के बीच पहली बार सामूहिक सहमति बनी थी। बैठक में एक छोटा पर तेज पिल्ला भी आया था, जिसका हाल ही में टीकाकरण हुआ था, पर समझदारी में देश के सबसे बड़े सदन के माननीय सदस्य से कम नहीं था। वो बोला- 'सरकार कहती है, आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण चाहिए। पर यह नहीं बताती कि गलियों में गंदगी कौन फैला रहा है? हम तो वहीं रहते हैं जहां तुम्हारी व्यवस्था कचरा फेंकती है।'

एक और कुत्ते ने कहा- 'हमें कहा जाता है कि हम काटते हैं। पर जब आदमी वादों को काट देता है, भरोसे को काट देता है, और संविधान तक को चबा जाता है, तब उस पर कोई कानून नहीं बनता?' माहौल भावुक हो चला था। एक कुतिया तो अपनी नाक रगड़ते हुए बोली- 'एक वक्त था जब इनसान हमें देख मुस्कराते थे, अब डरते हैं। और डर भी ऐसा कि जब भौंकते हैं तो हमारी आवाज को भी धमकी मान लिया जाता है।' फिर एजेंडे पर आया ताजा नोटिफिकेशन, जिसमें आवारा कुत्तों को 'सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा' कहा गया था। इस पर बैठक में भारी आक्रोश फैला। भूरा कुत्ता झल्लाया, 'हम तो सिर्फ भौंकते हैं, पर संसद में जो रोज चिल्लाते हैं, वे क्या खतरा नहीं हैं? हमारी नसबंदी होती है, पर झूठ फैलाने वालों की नहीं!' फिर एक प्रस्ताव पास किया गया = अगर सरकार ने अगली योजना में कुत्तों की राय नहीं ली, तो कुत्ते भी मोहल्ला स्तर पर 'कुत्ता पंचायत' बनाएंगे, जो तय करेगी कि किस नेता को मोहल्ले में घुसने देना है और किसे रात के अंधेरे में चुपचाप भौंककर विदा कर देना है। बैठक के अंत में 'काला कुत्ता' जो अब तक चुप था, गंभीर स्वर में बोला- 'हम कुत्ते हैं, साहब! एक बार वफादारी निभाना सीख लें तो जान पर खेल जाते हैं। पर जब कोई हमें बार-बार दुत्कारता है तो हम भी भौंकना जानते हैं। अब ये भौंक लोकतंत्र की चेतावनी है!' बैठक खत्म हुई। सभी कुत्ते अपनी-अपनी गलियों को लौट गए, पर इस बार आंखों में सवाल थे और दिलों में ठान ली गई थी कि अगली नसबंदी से पहले सरकार की नीयत की जांच की जाएगी।

कपूर खानदान के बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन एक बात तो माननी पड़ेगी कि इस परिवार से हमें संस्कार, बड़ों का आदर, छोटों से स्नेह और तमीज से पेश आना जैसी बातें सीखने को मिलती हैं। यह परिवार सिखाता है कि चाहे कोई अपना हो या पराया उससे बात वैससे करनी है, उसे इज्जत वैससे देनी है और सामाजिक व्यवहार में मर्यादा वैससे रखनी है। कपूर परिवार फिल्मोद्योग का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित परिवार माना जाता है। इस परिवार के अधिकांश सदस्य अभिनय के क्षेत्र में आए और सफल भी हुए, लेकिन एक बात जो इन्हें सबसे अलग बनाती है, वो है इनका व्यवहार।

कपूर खानदान के संस्कार

हनीफ जवेरी

सबसे पहले पृथ्वीराज कपूर ने रंगमंच और फिल्मों में जो योगदान दिया, वह ऐतिहासिक रहा। फिर उनके पुत्र राज कपूर ने न केवल एक उत्कृष्ट अभिनेता, बल्कि महान निर्देशक और निर्माता के रूप में हिंदी सिनेमा को एक नई पहचान दी। उनके साथ शम्मी कपूर और शशि कपूर ने भी अपने-अपने अंदाज में हिंदी सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इसके बाद की पीढ़ी में ऋषि कपूर, रणधीर कपूर, करिश्मा कपूर, करीना कपूर और रणबीर कपूर जैसे नाम जुड़े, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के साथ-साथ अपने सलीकेदार व्यवहार से सबका दिल जीत लिया। आजकल के कई कलाकारों का रवैया जहां वैसमरे के सामने और भीड़ के बीच असभ्य हो जाता है, वहीं कपूर खानदान ने हमेशा अपने आचरण से यह दर्शाया है कि सच्चा सितारा वही होता है जो धरातल से जुड़ा रहता है। यह परिवार केवल फिल्मी दुनिया का हिस्सा नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और शिष्टाचार का प्रतीक भी है। इनसे यह सीखा जा सकता है कि सफलता का अर्थ यह नहीं कि आप दूसरों को नीचा दिखाए, बल्कि सफलता तभी सार्थक होती है जब आप अपनी जड़ों को न भूलें। जब राज कपूर, केदार शर्मा के सहायक थे, तब श्री शर्मा ने एक बार फिल्म के दृश्य-स्थल पर सबके सामने उन्हें थप्पड़ मारा था। इस घटना का उल्लेख समय-समय पर हुआ, किंतु राज कपूर ने कभी भी अपने बचाव में केदार शर्मा के विरुद्ध एक शब्द नहीं कहा और न ही अपनी आत्मकथा में इस घटना का कोई उल्लेख किया। क्योंकि वह कपूर खानदान के संस्कारों का पालन करते हुए शर्मा को अपना गुरु मानते थे और उनका सदैव आदर करते रहे। अब देखिए राज कपूर की सबसे बड़ी महानताज प्रेमकथा पर आधारित उनकी फिल्म 'बॉबी' के प्रदर्शन से पहले फिल्म की नायिका डिंपल कपाड़िया ने सुपरस्टार राजेश खन्ना से विवाह करने का निर्णय लिया। यह राज के लिए बड़ा नुकसान सिद्ध हो सकता था। उन्होंने डिंपल और राजेश को सुझाव दिया कि विवाह कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया जाए, ताकि फिल्म पर इसका प्रभाव न पड़े। लेकिन राजेश खन्ना फिल्म 'बॉबी' के प्रदर्शन तक रुकने को तैयार नहीं हुए। तब राज कपूर ने उनके इस निर्णय का सम्मान किया और पूरे परिवार सहित विवाह समारोह में सम्मिलित भी हुए।राज कपूर की मृत्यु के काफी समय बाद मैं शम्मी कपूर का इंटरव्यू ले रहा था। इसी बीच शम्मी कपूर को पता चला कि कृष्णा राज (राज कपूर की पत्नी) उनके घर आई हैं। शम्मी कपूर ने तुरंत साक्षात्कार को थोड़ी देर के लिए रोक दिया और अपनी भाभी कृष्णा राज कपूर के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। साक्षात्कार पुनः आरंभ करने से पहले उन्होंने मुझसे कहा, 'बड़ी भाभी हमारे लिए माता के समान हैं।' कपूर खानदान की महानता का एक और अनुभव मुझे तब हुआ जब मैंने शशि कपूर के सामने एक अंग्रेजी पत्रिका प्रस्तुत की, जिसमें स्व. अमजद खान ने उनके विरोध में बहुत कुछ कहा था। मैं शशि से किसी तीखी प्रतिक्रिया की अपेक्षा कर रहा था, लेकिन उन्होंने बात को बहुत ही सरलता से टालते हुए केवल इतना कहा- 'अमजद मेरे भाई जैसे हैं। शायद मुझसे किसी बात पर नाराज हैं। मैं स्वयं उनसे मिलकर बात को सुलझा लूंगा।' कपूर खानदान की महानता है कि वे समाचार माध्यमों में कभी भी किसी के विरोध में कुछ नहीं कहते। हां, ऋषि कपूर इस मामले में जरूर अपवाद रहे। वे अक्सर लोगों के विरुद्ध ट्विटर पर लिखते थे।

खतरे में उड़ान!

कविता श्रीवास्तव

भारत में नागर विमानन सेवाएं खतरे में हैं, क्योंकि भारत के नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में कर्मचारियों की कमी है! चौंकिए मत, यह हकीकत है। इस बात को और किसी ने नहीं, बल्कि संसद की एक स्थायी समिति ने उजागर किया है। डीजीसीए में कर्मचारियों की कमी से विमानन सुरक्षा प्रणाली के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। इससे पायलट लाइसेंस जारी करने में देरी, हवाई सुरक्षा की निगरानी में कमी और संभावित रूप से कानूनी अनुपालन व वास्तविक सुरक्षा के बीच अंतर पैदा हो सकता है। इस कमी के कारण डीजीसीए के लिए निर्धारित सुरक्षा खामियों को समय पर दूर करना और सुरक्षा मानकों को प्रभावी ढंग से लागू करना मुश्किल हो सकता है। भारत में तकरीबन साढ़े चार लाख लोग प्रतिदिन हवाई यात्रा करते हैं। क्या उन सभी की उड़ानें सचमुच भगवान के भरोसे हो रही हैं? संसदीय समिति की रिपोर्ट का निष्कर्ष कई सवाल खड़े करता है। पहली बात यह कि आज देश में बेरोजगारी चरम पर है। लाखों की संख्या में युवा वर्ग को उनकी योग्यता के मुताबिक नौकरी नहीं मिल रही है, जबकि अनेक सरकारी विभागों में पद खाली पड़े हैं। वहां ठेका प्रणाली चालू है और आउटसोर्सिंग से काम कराए जा रहे हैं। नागर विमानन महानिदेशालय में ही 50 फीसदी पद खाली पड़े हैं। यह निदेशालय देश की विमानन सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। भारत में नागरिक उड्डयन क्षेत्र को कुशलतापूर्वक संचालित रखना, सुरक्षा नियमों और विनियमों को लागू करना, विमानन दुर्घटनाओं की जांच करना आदि उसका काम है। साथ ही हवाई अड्डों की सुरक्षा, पायलटों और अन्य विमानन कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी वह जिम्मेदार है। विमानन से संबंधी नियमों और विनियमों को बनाकर उन्हें लागू करना भी उसकी ही जिम्मेदारी है। विमानों के रखरखाव, उड़ान संचालन और पायलटों के लाइसेंसिंग से संबंधित नियम भी यही महानिदेशालय बनाता है। इन सभी कामों में सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमने हाल ही में अमदाबाद में एयर इंडिया का विमान हादसा झेला है। उसमें 270 से अधिक लोगों की मौत हो गई। विमानन सेवाओं में कमी, तकनीकी गड़बड़ियां व अन्य शिकायतें भी निरंतर खबरों में रहती हैं। यात्रा सुविधाओं में दोष और कमी की शिकायतें भी खूब होती हैं। आखिर इतनी कमियां क्यों दिखाई देती हैं? संसदीय समिति ने डीजीसीए को पर्याप्त स्टाफ और वित्तीय स्तर पर अधिक स्वायत्तता देने की सिफारिश की है। फिलहाल, यह कमी हवाई सुरक्षा निगरानी तंत्र पर सीधा असर डाल रही है। समिति ने सुझाव दिया कि सुरक्षा खामियों को तय समय में दूर किया जाए, गंभीर मामलों में सख्त कार्रवाई हो और हवाई अड्डों का ढांचा एयरलाइंस के बेड़े विस्तार के हिसाब से बढ़ाया जाए। दरअसल, डीजीसीए की कमियां दूर करने के लिए उसे पूर्ण स्वायत्तता की गरज है।

रोक सको, तो रोक लो

कई वर्षों से कथित फर्जी मतदान और ईवीएम से छेड़खानी के आरोपों को चुनाव आयोग नकारता रहा है, लेकिन कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी के खुलासे से पूरे देश में हंगामा खड़ा हो गया है। चुनाव आयोग द्वारा कागजों में मार दिए गए लोगों के जिंदा मिलने और हकीकत में मरे हुए लोगों को जिंदा दिखाने के खुलासे के बाद न सिर्फ चुनाव आयोग की, बल्कि मोदी सरकार की बेचैनी इतनी बढ़ गई है कि इस घपले को छिपाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं और झूठ पर झूठ बोला जा रहा है। लेकिन इस सबके बीच भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के एकाधिकार वाली एनडीए की मौजूदा सरकार अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए हर हथकंडा अपना रही है।

पं. प्रेम बरेलवी

'जिद'-ज्यादातर राजनीतिज्ञ और बुद्धिजीवी यह मानते हैं कि भाजपा अपने सहयोगियों और विरोधियों, दोनों को ही निगल जाती है। वर्ष 2014 के बाद उसकी इस प्रवृत्ति का खुला रूप सामने आया है। हालांकि, 2024 तक विपक्ष मुक्त संसद और सभी राज्यों में कब्जा करने का उसका इरादा या कहें कि लक्ष्य था, जो केंद्र में 11 वर्षों के शासन के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। पहले भाजपा के दो प्रमुख नेताओं-नरेंद्र मोदी और अमित शाह को लग रहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 400 से ज्यादा सीटों पर जीत मिलेगी, जिसके बाद वे मनमाने तरीके से सत्ता चला सकेंगे, लेकिन उन्हें झटका लगा और 400 पार के लक्ष्य की जगह 240 सीटें ही मिलने से एनडीए गठबंधन भी सरकार बना पाने में असमर्थ दिखा। हालांकि, इसके बाद भी नरेंद्र मोदी नायडू और नीतीश नाम की दो बैसाखियों के सहारे तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाकर प्रधानमंत्री बन ही गए। इससे उनका एक मजबूत और ताकतवर प्रधानमंत्री बनकर उभरने का सपना चकनाचूर हो गया। लेकिन जिद तो जिद होती है। सो उन्होंने अपनी ही चलाई और खास-खास मंत्रालयों पर कब्जा जमाए रखा, लेकिन इस बीच राज्यों की सत्ता जाने का डर सताने लगा, क्योंकि जनता के मन से मोदी उतरने लगे और उतरते ही जा रहे हैं इसलिए भाजपा की गुजराती लॉबी ने एक-एक करके राज्यों को जीतने की जिद्दी राजनीतिक यात्रा शुरू की, जिसमें चुनाव आयोग का समर्थन सबसे जरूरी था। इसके लिए पहले से ही अपने खासमखास लोगों को बिना योग्यता जांचे चुनाव आयोग में लाया गया, जिसमें पूर्व चुनाव आयुक्त राजीव कुमार प्रमुख थे। इसलिए उनका कार्यकाल भी अनवरत रूप से बढ़ाया जाता रहा। राजीव कुमार को तो सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मरे मन से मोदी सरकार ने हटा दिया, लेकिन फिर अपने मनपसंद पूर्व आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार को चुनाव आयुक्त विपक्ष के विरोध के बावजूद बना दिया गया। उन्हें अमित शाह के लिए वर्षों तक समर्पित रूप से काम करने का पारितोषिक दिया गया। अब चुनाव आयुक्त बनाने का आभार भी वह पूर्व चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से आगे बढ़कर निभा रहे हैं, जिसके नतीजे बिहार में मतदाता सूची में हो रही गड़बड़ी के रूप में सामने आ रहे हैं। हालांकि अब चुनाव आयोग जनता के सवालों और विरोध से घिर गया है, भले ही अभी तक न्यायालयों ने इस पर कोई विशेष संज्ञान नहीं लिया है।

सवाल यह है कि क्या मतदाता सूची में गड़बड़ी रुक जाने या जनता के विरोध भर से भाजपा अपनी निगल जानेवाली नीति को त्याग देगी? नहीं। क्योंकि भाजपा की गुजराती लॉबी के पास साम-दाम- दंड और भेद के अलावा भी कई हथकंडे हैं, जिनका प्रयोग समय-समय पर किया जाता है। इनमें प्रमुख हथकंडा जबरदस्ती सत्ता हथियाने का है। विरोधियों को वैससे निपटाना है, इसका सूत्र भाजपा के पास हमेशा से है। इसके लिए जो कुछ भी करना हो, भाजपा नेता करते हैं। इन्हीं हथकंडों का हिस्सा संविधान में लगातार मनमुताबिक संशोधन है। क्योंकि भाजपा सत्ताओं पर कब्जा करना नहीं छोड़ सकती, भले ही ईमानदारी से चुनाव ही क्यों न हो जाए इसलिए जब चुनाव आयोग की हरकतों का पर्दाफाश होने लगा तो गृह मंत्री अमित शाह ने नया विधेयक पेश करके दूसरा हथियार निकाल लिया है, जिसके मुताबिक, 30 दिन तक जेल में रहनेवाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री आदि को निपटाना आसान हो जाएगा। क्या इस बिल को लाकर गृह मंत्री एक तीर से कई निशाने साधना चाहते हैं? कहावत है कि राजनीति में न कोई किसी का दोस्त होता है और न दुश्मन। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस कहावत को बदल दिया है। उनके लिए उनकी राजनीति में कोई दोस्त नहीं होता। असल में राजनीति की शराब एक बार जो चख लेता है, उसकी सत्ता में बने रहने की ख्वाहिश मरते दम तक नहीं मरती, बल्कि बढ़ती ही जाती है। ऐसा लगता है कि गृह मंत्री अमित शाह की राजनीतिक प्यास भी बढ़ती जा रही है। आखिरी कौन-सा नेता प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहता। शायद अमित शाह की मोदीनिष्ठा भी इसी लालसा के चलते अब तक जस की तस बनी हुई है। इसी वर्ष सितंबर में मोदी 75 वर्ष के हो रहे हैं और राजनीति से उनके संन्यास की चर्चा काफी रही है। हालांकि, भले ही वह अपने पद पर ताउम्र बने रहने के आकांक्षी हैं, लेकिन यह लक्ष्मण रेखा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही खींची है। और कई अंदर-बाहर के नेता बड़ी बेसब्री से 17 सितंबर, 2025 का इंतजार कर रहे हैं, जो मोदी के 76वें वर्ष में प्रवेश करने की आखिरी तारीख है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत इस तरफ इशारा पहले ही कर चुके हैं। हो सकता है कि अमित शाह भी इस इंतजार में हों कि मोदी अगर इस लक्ष्मण रेखा से बाहर जाते हैं तो प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बारिश के रूप में उनका ही एकाधिकार होना चाहिए, लेकिन क्या इसके लिए अमित शाह एक मजबूत उम्मीदवार हैं? अभी तक तो नहीं। लेकिन ऐसा लगता है कि वह इसकी तैयारी में लगे हैं। शायद संसद में 130वां संविधान संशोधन बिल पेश करने का उनका 30 दिन की जेल वाला विधेयक इसी तैयारी का हिस्सा हो। इस विधेयक के कानून में बदलते ही अमित शाह खुलकर राजनीतिक खेल खेल सकते हैं, जिसके लिए वे वर्षों से बेचैन; लेकिन बेहद सब्र से काम लेते आ रहे हैं। इस एक विधेयक से अमित शाह एक तीर से कितने निशाने साधेंगे, इसका अंदाजा पक्ष और विपक्ष, दोनों को ही शायद अभी न लगे; लेकिन आने वाले समय में इसके परिणाम कई नेताओं को भुगतने होंगे।

'चुनौती'-राजनीतिक सत्ता के चरम पर पहुंचने का अमित शाह के पास यह आखिरी हथियार होगा। सीबीआई, ईडी, आईटी और पुलिस अमित शाह के हाथ में पहले ही हैं। जेल गए संवैधानिक पदस्थों को 30 दिन जेल में रखना भी दुश्वार नहीं होगा। अमित शाह अगर इस विधेयक को पास कराकर कानूनी शक्ल देने में कामयाब हो जाते हैं तो उनकी पार्टी में प्रधानमंत्री पद के दावेदार धराशायी हो जाएंगे और विरोधियों को निपटाना भी आसान हो जाएगा। यह कानून बनने के बाद विपक्ष के पास खुद बचाव का एक और रास्ता हमेशा के लिए बंद हो सकता है। हालांकि, जनता अमित शाह के इस हथियार को काट सकती है, लेकिन इसके लिए एकता जरूरी है। क्योंकि अगर एकता हो तो एक लोकतांत्रिक देश में जनता से बड़ी ताकत किसी के पास नहीं है, लेकिन इससे पहले विपक्ष के साथ-साथ जनता को यह मान लेना चाहिए कि अमित शाह का राजनीतिक सत्तावाला तरकश अब सबसे आगे निकलने की तैयारी में है, जो सबको चुनौती दे रहा है कि रोक सको तो रोक लो।(लेखक कवि, संपादक और सम-सामयिक विषयों के विश्लेषक हैं।)

नसल सदस्य मुक्त पंचायत बड़ेसट्टी में स्वास्थ्य व जागरूकता की गूंज

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के प्रथम नक्सल सदस्य मुक्त पंचायत बड़े सेट्टी ने एक नई मिसाल कायम की। यहाँ कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में आयोजित ग्रामसभा में पंचायत प्रतिनिधियों, जिला पंचायत पदाधिकारियों और पिरामल फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर ग्रामीणों से महिला एवं बाल विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर शिविर आयोजित की।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत सेक्टर फूलबगड़ी के बीएमओ डॉ. भीमा बारसे द्वारा बड़े सेट्टी में 19 कुपोषित बच्चों की जांच की गई। स्वास्थ्य सेवाओं की इस पहल को लेकर ग्रामीणों ने संतोष और उत्साह व्यक्त किया।

इसके साथ ही महतारी मेगा हेल्थ कैंप और बाल संदर्भ शिविर का आयोजन भी पंचायत में हुआ। इसमें आसपास के गांवों से आई महिलाओं, किशोरी बालिकाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा दवाइयों का वितरण हुआ। इस अवसर पर 77 महिलाओं की स्वास्थ्य जांच इस अवसर पर की गई।

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता पर भी जोर दिया गया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं और माताओं को गुड टच, बैड टच, चाइल्ड हेल्पलाइन और महिला हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

नक्सल सदस्य मुक्त पंचायत बड़े सेट्टी पंचायत की यह पहल स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में ग्रामीणों के लिए एक नई उम्मीद बनकर सामने आई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण और अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सफलता की कहानी : राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना से सुखसागर आर्थिक रूप से हुआ मजबूत

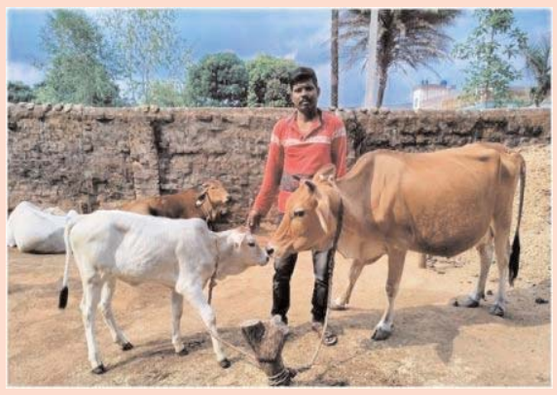

जशपुरनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप पशुधन विकास विभाग द्वारा जिले के गौव पालकों को विभागीय योजनाओं को लाभ दिया जा रहा है। इसी कड़ी में बगीचा विकासखण्ड के सुखसागर यादव को राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अन्तर्गत नस्ल सुधार योजना का लाभ दिया गया है। बगीचा विकासखण्ड के पशुधन विकास विभाग द्वारा हितग्राही सुखसागर यादव को राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना का लाभ दिया गया एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अन्तर्गत नस्ल सुधार किया गया। राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना से 70 हजार के अनुदान का लाभ दिया गया एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अन्तर्गत नस्ल सुधार किया गया। हितग्राही सामान्य किसान है, इनका रोजगार का कार्य खेती था। योजना का लाभ लेने के पूर्व हितग्राही के पास 01 देसी गाय थी।

इनकी गाय उस समय लगभग प्रतिदिन 1 लीटर दूध देती थी। जिसका उपयोग घर में ही कर लिया जाता था। पशुपालन से कोई अतिरिक्त आय नही होती थी। पशुधन विकास विभाग से राज्य डेयरी उद्यमिता विकास अंतर्गत हितग्राही द्वारा शासकीय योजना का लाभ लेकर 01 उन्नत नस्ल की जर्सी गाय और एक साहिवाल क्रॉस गाय खरीदा गया । वर्तमान में कुल 16-18 लीटर दूध उत्पादन हो रहा है। जिसके विक्रय से हितग्राही को राशि रूपये 25000-30000 रूपये मासिक आमदनी प्राप्त हो रही है। साथ ही राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम नस्ल सुधार योजना द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का लाभ लिया जाता है। जिससे वर्तमान में उन्नत नस्ल की बछिया एवं बाछा उत्पन्न हुई है। पशुधन विकास विभाग द्वारा संचालित राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना का लाभ लेने के पश्चात् हितग्राही के आर्थिक स्थिति में सुधार हुई है। विभाग द्वारा समस्त गाय का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। कृमि नाशक दवाइयां एवं मिनरल मिक्सचर प्रदान किया जाता है। आवश्यकतानुसार तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाता है।

सराईपाली में भू-माफिया की दबंगई, पुरखों के जंगल को JCB से रौंदा

महासमुंद, एजेंसी। जिले के सराईपाली में प्रशासनिक संरक्षण या चूक भू-माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने निजी जमीन की आड़ में उस ऐतिहासिक वन भूमि पर ही जेसीबी चलवा दी, जो सौ साल से बड़ेझाड़ का जंगल के नाम से सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है। खुलेआम हो रही इस लूट का जब ग्राम के एक आम नागरिक ने पर्दाफाश किया, तब जाकर कुंभकर्णी नींद में सोए प्रशासन ने आनन-फानन में कार्रवाई का दिखावा करते हुए काम पर रोक लगाई है। यह सनसनीखेज मामला पैकिन गांव का है, जहां परसदा निवासी पूर्णोबाई पटेल (प्रदीप पटेल) ने खरीदी गई जमीन के बहाने सरकारी रास्ते और चारागाह को समतल करना शुरू कर दिया। जब दबंगई और रसूख के सामने जागरूक ग्रामीणों के साथ लिंगराज दास एवं युवाओं ने इस लूट के खिलाफ आवाज उठाने का साहस दिखाया और तहसीलदार के दफ्तर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत जब अफसरों की मेज पर पहुंची और धूल फांक रही थी तब पुरानी फाइलों को खंगाला गया, तो जो सच सामने आया, और प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया गया जिसके बाद सच्चाई सबके सामने आई कि 1929-30 के मिसल बंदोबस्त में विवादित भूमि (खसरा क्र. 606, 610) बड़ेझाड़ का जंगल थी और 1955-56 में अमराई बाग। यह है कि जो भूमि ब्रिटिश हुकूमत से लेकर आजाद भारत के शुरुआती दौर तक जंगल और बाग के रूप में दर्ज थी, वह आखिर भू-माफिया के हाथों में कैसे पहुंच गई।

आन फानन में जांच आदेश:क्या राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से यह पूरा खेल खेला गया मामले के तूल पकड़ते और ऐतिहासिक दस्तावेज सामने आने के बाद, प्रशासन ने अपनी लाज बचाने के लिए 18 अगस्त को स्थगन आदेश जारी किया और 20 अगस्त को एक जांच टीम गठित कर दी। अब 1 सितंबर की तारीख महज एक पेशी नहीं, बल्कि प्रशासन की नीयत और रसूखदारों के गठजोड़ के खिलाफ उसकी कार्रवाई की अग्निपरीक्षा है। देखना यह है कि जांच की लीपापोती होती है या फिर इस जंगल के लुटेरों पर कानून का शिकंजा कसता है।

वन्यजीवों की सुरक्षा में सुकमा जिले की बड़ी पहल

सुकमा, एजेंसी। जिले के इतिहास में पहली बार वन विभाग ने वनकर्मियों, संयुक्त वन प्रबंधन समिति एवं जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल न केवल वन विभाग की क्षमता वृद्धि बल्कि स्थानीय समुदाय को संरक्षण की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुई है। सुकमा एवं दोरनापाल उपमंडल के कर्मचारियों का प्रशिक्षण 23 और 24 अगस्त को जिला मुख्यालय सुकमा में आयोजित हुआ। इसमें राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य एवं ख्यातिप्राप्त वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र मिश्रा ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया।

वहीं 20 और 21 अगस्त को कोन्टा में आयोजित प्रशिक्षण में नोवा नेचर फाउंडेशन के सुराज ने वन्यजीव प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पहली बार जेएफएमसी और बीएमसी के सदस्य भी इसमें शामिल हुए। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम केवल वन विभाग तक सीमित न रहकर स्थानीय समुदाय तक पहुंचा, जिससे वन्यजीव संरक्षण के प्रति साझा जिम्मेदारी और जागरूकता का नया अध्याय शुरू हुआ। वनमंडलाधिकारी सुकमा श्री अक्षय भोसलें ने कहा कि सुकमा जैसे घने वनों वाले जिले में वन्यजीव संरक्षण हमेशा से चुनौती रहा है। यह प्रशिक्षण केवल विभागीय कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय की सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे जिले में सामान्य स्थिति लौट रही है, वन क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ रही है। ऐसे में विभाग और समुदाय का संयुक्त प्रयास भविष्य में दूरगामी परिणाम देगा।

सुकमा का विशाल वन क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है, जहाँ कई दुर्लभ और महत्वपूर्ण वन्यजीव पाए जाते हैं। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण के दौरान वनकर्मियों और समितियों को वैज्ञानिक तरीकों, कानूनी प्रावधानों और संरक्षण से जुड़े व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया। साथ ही यह भी बताया गया कि वन्यजीव संरक्षण कैसे पर्यावरणीय संतुलन, जल स्रोतों की सुरक्षा और मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व को प्रोत्साहित करता है।

गोडम, छिंद और पेंड्रावन में महतारी सदन की मिली स्वीकृति

राज्य में 166 महतारी सदन हेतु 49 करोड़ 80 लाख रुपये जारी

सारंगढ़ बिलाईगढ, एजेंसी। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। उपमुख्यमंत्री के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है। इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के गोडम, छिंद और पेंड्रावन में महतारी सदन की स्वीकृति मिली है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है। प्रति महतारी सदन की लागत राशि रुपये 30 लाख होगी।

5 वर्षों में सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाने की योजना :प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाया जाएगा। महतारी सदन बनाने की शुरुआत हो गयी है। पहले चरण में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में महतारी सदन बनना प्रारंभ किया जा रहा है व 5 साल में सभी ग्राम पंचायत में महतारी सदन बनेंगे। प्रदेश में बनने वाले महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट में कराया जाएगा। सदन में कमरा, शौचालय, बरामदा, हाल, किचन और स्टोररूम जैसी सुविधाएं रहेगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे। महतारी सदन में सामुदायिक शौचालय का भी निर्माण किया जाएगा।

खेत में करंट की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत, गांव में सनसनी

कवर्धा, एजेंसी। जिले के रणवीरपुर चौकी अंतर्गत कोहड़िया गांव में बीती रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया। खेत में लगे हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से पिता और पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक जहुरु निषाद और उसका बेटा श्रवण निषाद देर रात खेत में टमाटर चोरी करने के लिए पहुंचे थे। खेत मालिक विशाल पटेल ने अपनी फसल की सुरक्षा के लिए खेत के चारों ओर हाईटेंशन तार बिछा रखा था। इसी तार की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब खेत मालिक खेत पर पहुंचा तो उसने दोनों के शवों को जमीन पर पड़ा देखा। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रणवीरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए लोहारा अस्पताल भेजा।

इधर, घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश दोनों का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि फसल की सुरक्षा के लिए खेतों में हाईटेंशन तार लगाना बेहद खतरनाक और जानलेवा है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और उसके बाद उन्हें परिजनों को सौंपा जाएगा। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर दिया है। अब देखना होगा कि जांच के बाद पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

महतारी वंदन योजना बनी महिलाओं का सहारा

सुकमा, एजेंसी। जरूरत और अभाव से जूझ रही सुकमा जिले की महिलाएं अब महतारी वंदन योजना से सशक्त हो रही हैं। छिंदगढ़ पंचायत के वेकोपारा निवासी श्रीमती सोमलिन पति आनंद ने बताया कि उन्हें हर महीने मिलने वाले एक हजार रुपये ने उनके जीवन की दिशा बदल दी है। इस राशि को वह बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर रही हैं। भावुक होकर उन्होंने कहा कि हम जैसे परिवारों के लिए यह सहायता बहुत बड़ी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जो वादा किया था, उसे पूरा कर रहे हैं। यह योजना हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं। सोमलिन ने यह भी बताया कि वह बच्चों को समझाती हैं कि यह मदद सरकार की पहल से संभव हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के लिए आभार जताया। महिलाओं का कहना है कि इस योजना ने उनमें आत्मविश्वास जगाया है और आगे बढ़ने की राह प्रशस्त की है। सुकमा जिले के नेल्लानार क्षेत्र सहित विभिन्न गांवों में योजना के तहत सर्वे कार्य जारी है, जिससे अधिक जरूरतमंद माताओं को भी इसका लाभ मिल सके।

रजत जयंती पर बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने जागरूकता अभियान

बीजापुर, एजेंसी। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, के मार्गदर्शन में जिले में बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों की जानकारी स्कूल, आश्रम, पोटाकेबिन, कॉलेजों एवं पंचायत प्रतिनिधि के बीच किया जा रहा है, ताकि बच्चों के संरक्षण संबंधित मुददो, विषयो पर जागरूक हो सके। इस दौरान विकासखण्ड भैरमगढ़ के सभी वार्डो में भ्रमण कर वार्ड स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, एक युद्ध नशे के विरूद्ध पोषण भी पढ़ाई भी, बाल विवाह मुक्त बीजापुर, सड़क पर रहने वाले बच्चे, अपशिष्ट सग्राहक, बाल भिक्षावृति से लिप्त बच्चे, बालश्रम में लिप्त बच्चों का चिन्हांकन हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान सभी होटल, दुकानों, ढाबा, वाहन गैरेजों एवं वार्ड स्तर पर लोगों को पॉक्सो एक्ट मे बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाने के लिए प्रावधान दिये गये है बच्चों को गलत तरीके से घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, गलत तरीके से छूना, अपराध है किशोर न्याय अधिनियम में बच्चों को नशे बचाने के लिए प्रावधान दिया गया है यदि कोई बच्चें को नशा कराता है या नशे का समान बेचता है उसे 1 लाख रूपये जुर्माना व 2 वर्ष का सजा का प्रावधान है। चाईल्ड हेल्पलाईन 1098, महिला हेल्पलाईन 181 के संबंध में जागरूक किया जा रहा है अभियान के दौरान साइबर क्राईम और एक युद्ध नशे के विद्ध के तहत बच्चो को जागरूक किया जा रहा है बच्चों को बाल विवाह मुक्त बीजापुर बनाने के लिए शपथ भी दिलाया जा रहा है। लैंगिक अपराध के खिलाफ दण्ड का प्रावधान-बच्चों के विरूद्ध लैंगिक अपराध को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है तथा दण्ड के प्रावधान किये गये है। इस अधिनियम की धारा 13,14,15 के अंतर्गत अशलील साहित्य के प्रयोजनों के लिए बच्चों का उपयोग करना अपराध घोषित करते हुए उसके लिए दण्ड के प्रावधान किया गया है इस अधिनियम के अंतर्गत बच्चों के प्रति अपराधों को करने के लिए किसी को उकसाना या प्रेरित करना भी दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है।

शासकीय ओपन यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए 31 तक आवेदन

सारंगढ़ बिलाईगढ़, एजेंसी । छत्तीसगढ़ की शासकीय एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी बिलासपुर है। युवा जो बारहवीं पढ़ाई के बाद नियमित कॉलेज नहीं जा सकते। ससुराल, निजी या सरकारी नौकरी के व्यस्त जिंदगी में अपनी अधूरी पढ़ाई को पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी बिलासपुर के माध्यम से पूरा कर सकते हैं, जिनके विभिन्न कोर्स में एडमिशन के लिए 31 अगस्त 2025 तक आवेदन आमंत्रित हैं। शासकीय कर्मी विभाग से अनुमति लेकर पढ़ सकते हैं। सभी सरकारी विभाग द्वारा सामान्य रूप से सभी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति अनिवार्य रूप से दी जाती है।

विश्वविद्यालय ने निर्देश दिए हैं कि जिन विद्यार्थियों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किए गए हैं, वे भी अगली कक्षा में प्रवेश के लिए फॉर्म भरें। विश्वविद्यालय के पुराने छात्र पूर्व में पंजीकृत मोबाइल नंबर से ही लॉगिन करें, तथा नामांकन नंबर के माध्यम से पाठ्यक्रम को जोड़ें। पूर्व पंजीकृत मोबाइल नंबर पुराना आवेदन पत्र विश्वविद्यालय बिलासपुर के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

कोर्स और फीस:बारहवीं उत्तीर्ण के बाद 3 वर्षीय कोर्स में बीए कला स्नातक का वार्षिक फीस रू 4300, बीबीए बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक का वार्षिक फीस रू 6700, बीकॉम वाणिज्य स्नातक वार्षिक फीस रू 5450 और बीएससी बैचलर ऑफ साइंस (गणित) का वार्षिक फीस रू 5700 निर्धारित है। इसी प्रकार बारहवीं के बाद 1 वर्षीय कोर्स में विज्ञान के माध्यम से समाज कल्याण पर रामचरित मानस में डिप्लोमा का वार्षिक फीस रू 3200, 2 वर्षीय कोर्स में डीएलएड का वार्षिक फीस रू 10,300 और डीसीए कंप्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा का वार्षिक फीस रू 8700 निर्धारित है। वाणिज्य स्नातक (बीकॉम) उत्तीर्ण युवाओं के लिए सीजीएसटी में 6 माह कोर्स के लिए फीस रू 5600 है। स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिए 1 वर्षीय कोर्स में योग विज्ञान में डिप्लोमा का वार्षिक फीस रू 8200, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (बिलीब) का वार्षिक फीस रू 11200 है।

जन्मदिन पर बधाई व शुभकामनाओं के लिए भावना बोहरा ने जताया आभार

कहा:जनता के सहयोग और समर्थन से समृद्ध पंडरिया का संकल्प होगा पूरा

पंडरिया, एजेंसी। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के जन्मदिन पर 24 अगस्त को भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी और उनका जन्मदिन मनाया। इस दौरान सुबह से ही बधाई देने के लिए लोगो तांता लगा रहा। इस दौरान भावना बोहरा ने सभी की शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कवर्धा निवास परिसर में हरीतिमा ग्रुप के सदस्यों और स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प किया। उन्होंने कवर्धा में महामाया मंदिर और खेड़ापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की और वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को फल वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। भावना बोहरा के जन्मदिन पर ग्राम सेमरहा के बच्चों ने उनके साथ केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। इसके साथ ही पूरे पंडरिया विधानसभा में भावना बोहरा का जन्मदिन मनाया गया। कबीरधाम जिला भाजपा कार्यालय, उड़िया कला सहसपुर लोहारा में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासियों ने उनका जन्मदिन मनाया और सिल्हाटी चौक, सिंगारपुर, रंजीतपुर एवं जमुनिया में भावना बोहरा का भव्य स्वागत किया गया। ग्राम रणवीरपुर में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं गीतकार पंडित विवेक शर्मा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया जहां हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने भावना बोहरा को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भावना बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडरिया विधानसभा की जनता और पार्टी के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा प्राप्त स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए बहुमूल्य उपहार है।

आप सभी का यह स्नेह, आशीर्वाद, सहयोग और विश्वास ही मेरी ऊर्जा है, जो आपकी सेवा और अपने कर्तव्यों एवं संकल्पों को पूरा करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करती है।जनसेवा, विकास और जनसुविधाओं का विस्तार ही मेरी प्राथमिकता और लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि जीवन के हर पथ में आप सभी का मार्गदर्शन, सहयोग एवं आशीर्वाद मुझे प्राप्त होता रहेगा। आप सभी के इसी आशीर्वाद से हम मिलकर समृद्ध और विकसित पंडरिया के संकल्प को जरूर पूरा करेंगे।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि विगत वर्षों में बहुत सी चुनौतियां आई, बहुत कुछ सीखने व अनुभव प्राप्त हुए। उन सभी अनुभवों एवं सीख से आने वाले समय में और भी बेहतर प्रयास एवं आप सभी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मैं दुगुनी मेहनत से कार्य करूंगी। मैं आभारी हूँ कि मेरे हर कदम पर और प्रयासों में आप सभी का साथ,विश्वास और समर्थन मुझे मिला जिसने मेरा हौसला बढ़ाया। ऐसे ही आप सभी का समर्थन, सहयोग और मार्गदर्शन मुझे मिलता रहे मैं ईश्वर से यही कामना करती हूं और पार्टी व संगठन के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, जनता एवं प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से बधाई, शुभकामनाएं एवं समर्थन देने के लिए मैं आप सभी के प्रति आभार व धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

27 अगस्त को शुभ चौघड़िया में विराजेंगे श्री गणेश,दस स्वरूपों की साधना से मिलेगा विशेष फल; चंद्र दर्शन रहेगा वर्जित

उज्जैन, एजेंसी। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर इस बार 27 अगस्त, बुधवार को गणेश स्थापना होगी। इस दिन चित्रा नक्षत्र, शुभ योग और विष्टि करण का संयोग रहेगा। तुला राशि का चंद्रमा भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि इस दिन चंद्र दर्शन वर्जित माना गया है। मान्यता है कि चंद्रमा को देखने से व्यक्ति पर झूठे आरोप-प्रत्यारोप लग सकते हैं। इसलिए इस दिन आकाश की ओर देखने से बचना चाहिए।

सुबह से शाम तक शुभ मुहूर्त : चौघड़िया अनुसार बुधवार को सुबह से शाम तक कई शुभ मुहूर्त रहेंगे। इनमें प्रात:6:11 से 7:41 तक 'लाभ', 7:41 से 9:11 तक 'अमृत', 10:41 से 12:11 तक 'शुभ', दोपहर 3:11 से 4:41 तक 'चंचल' और 4:41 से 6:11 बजे तक पुन:'लाभ' का समय रहेगा। इन शुभ चौघड़ियों में गणेश स्थापना करना श्रेष्ठ माना गया है।

दस दिनों तक दस स्वरूपों की साधना : गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक दस दिनों तक गणपति के दस स्वरूपों की साधना का विशेष महत्व बताया गया है। प्रतिदिन पार्थिव गणेश की प्राण प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार पूजन, मोदक का नैवेद्य अर्पण और 21 दूर्वा के साथ नाम जप करने से विशेष फल प्राप्त होता है। हले दिन गणाधिप, दूसरे दिन उमा पुत्र, तीसरे दिन अघनाशन, चौथे दिन विनायक, पांचवें दिन ईश पुत्र, छठे दिन सर्वसिद्धि प्रदायक, सातवें दिन एकदंत, आठवें दिन इभवक्र, नौवें दिन मूषक वाहन और दसवें दिन कुमार गुरु नाम से पूजन करना चाहिए। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि इस विधि से पूजन करने पर विघ्न दूर होते हैं और जीवन में सफलता के मार्ग खुलते हैं।महाराजा छत्रसाल की समाधि नौगांव रोड स्थित धुबेला गांव में है। यह धुबेला संग्रहालय परिसर में धुबेला झील के किनारे बनी है। इसका निर्माण 18वीं शताब्दी में हुआ था। समाधि अष्टकोणीय आकार में बनी है। इसकी वास्तुकला बुंदेली शैली का सुंदर उदाहरण है। अंदर की दीवारों पर भित्ति चित्र शैली में चित्र बने हैं। समाधि के चारों ओर परिक्रमा पथ बना है। हाल की बारिश से चारों ओर हरियाली आ गई है। इससे यह स्थल और भी आकर्षक दिखने लगा है।

विवाह में बाधा दूर करने का उपाय : पं. डब्बावाला ने बताया कि जिन कन्याओं के विवाह में अड़चनें आ रही हैं, उनके लिए हरिद्रा गणेश की स्थापना शुभ मानी गई है। ब्रह्म मुहूर्त में हल्दी से गणेश प्रतिमा बनाकर 10 दिन तक 'विघ्ननाशक गणेश स्तोत्र' या 'गणपति स्तोत्र' का पाठ करने से विवाह में आ रही बाधाओं का समाधान होता है।इस मौके पर सांची महिला एवं बाल विकास की प्रभारी सीडीपीओ आशा मैडम, सुपरवाइजर नीता अहिरवार सहित संगत संस्था की ओर से सुपरवाइजर श्वेता दुबे और दिव्या रैकवार मौजूद रहीं। कार्यक्रम के अंत में संगत संस्था की टीम ने आभार व्यक्त किया।

भद्रा का पाताल लोक में निवास : इस वर्ष स्थापना के समय तुला राशि में चंद्रमा रहेगा। मान्यता है कि तुला राशि के चंद्रमा में भद्रा का निवास पाताल लोक में होता है और पाताल लोक निवासिनी भद्रा को धन देने वाली माना गया है। ऐसे में इस योग में की गई गणेश साधना विशेष रूप से धन-लाभकारी रहेगी।प्रतिमा सम्राट मौर्य आर्ट, लालबाग से नाई आवार खंडवा ले जाई जा रही थी। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। सीएसपी गौरव पाटिल के नेतृत्व में पुलिस पहुंची। हिंदू महासभा प्रवक्ता ओम आजाद ने प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए गड्ढे भरने की मांग की।

खेरी-इछावर सड़क बदहाल, ओवरलोड वाहनों से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क पर हर तरफ गड्ढे; रेत के ट्रकों से खराब हुई सड़क

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के इछावर तहसील में खेरी से इछावर तक की 9.45 किलोमीटर लंबी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। पूरी सड़क खराब हो गई है। यह सड़क मूल रूप से ग्रामीणों के लिए बनाई गई थी, लेकिन इसपर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से इसकी हालत खराब हो गई।

सड़क पर 2-2 फीट के गड्ढे : नर्मदा पाइपलाइन के निर्माण काम के लिए भारी वाहनों के लगातार आवागमन ने सड़क को क्षतिग्रस्त कर दिया है। सड़क पर बारिश के कारण डेढ़ से दो फीट गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं।

रेत के ट्रकों से खराब हुई सड़क : ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से सड़क की मरम्मत की मांग की है। गांव खेरी के कमल सिंह वर्मा, रामपाल सिंह और देवराज वर्मा ने बताया कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। सड़क का निर्माण जब हुआ था तब अच्छी क्वालिटी थी लेकिन 8 टन क्षमता वाली इस सड़क पर रेत माफिया 32 टन वजनी डंपर चला रहे हैं। इसी वजह से गारंटी के समय से पहले ही सड़क खराब हो गई है। विभाग के महाप्रबंधक वाईके सक्सेना ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खंडवा में दूसरी पत्नी से प्रताड़ित युवक ने जहर खाया:पहली पत्नी अस्पताल लेकर पहुंची, बोलीं- सवा लाख ले चुकी, फिर भी धमका रही

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में रविवार देर रात एक युवक ने जहर खाकर खुदकुशी का प्रयास किया। उसे खून की उल्टियां होने पर परिवार वालों को आभास हुआ कि उसने कोई गलत कदम उठाया है। पत्नी ने परिवार के अन्य सदस्यों को बताया और पति को लेकर जिला अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे भर्ती कर लिया। युवक ने पारिवारिक तनाव के चलते परेशान चल रहा था।

पुलिस के अनुसार गंज बाजार निवासी मो. अजहर ने जहर पी लिया था। अजहर ने दो निकाह किए थे। पहली पत्नी का आरोप है कि पति ड्राइवर है। दूसरी पत्नी उसे प्रताड़ित करती है। जलगांव की युवती ने जाल में फंसाकर उनसे निकाह किया। फिर उनका विवाद हुआ। उसने तलाक के नाम पर सवा लाख रुपए तक वसूल लिए। वह बार-बार धमकियां दे रही थी कि तुम्हारे और परिवार के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराकर जेल में डलवा दूंगी। अजहर इसी बात से परेशान था।

परिजन के मुताबिक, अजहर की पहली शादी को 13 साल हो गए हैं। उसकी 12 और 10 साल की दो संतान है। उसने जुलाई 2024 में जलगांव की एक युवती से दूसरा निकाह कर लिया। इस बात की भनक परिवार और पहली पत्नी को तब लगी जब उसने पहली पत्नी से तलाक मांगा। इसके बाद पहली पत्नी अलग रहने लग गई।

ट्रक की टक्कर से 5 साल की बच्ची की मौत-बाइक सवार माता-पिता बाल-बाल बचे, बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर हादसा

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर सोमवार सुबह करीब दस बजे सड़क हादसा हुआ। चिखलया धूलकोट के रहने वाले जितेंद्र वास्कले अपनी पत्नी और 5 वर्षीय बेटी प्रिया के साथ बाइक पर शाहपुर जा रहे थे। मोहना पुल पर एक ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक पर बीच में बैठी प्रिया दाई तरफ गिरकर ट्रक के नीचे आ गई। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जितेंद्र और उनकी पत्नी बाई तरफ गिरे और बाल-बाल बच गए।

शिकारपुरा थाना प्रभारी कमल सिंह पंवार ने बताया कि हादसे के समय एक आयशर वाहन आगे चल रहा था। पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से ट्रक की तलाश कर रही है। हादसे के बाद बच्ची की मां बेहोश हो गईं। उन्हें 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। जांच में पता चला कि उन्हें कोई चोट नहीं आई है। शिकारपुरा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

राजगढ़ में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिजनों से हुई थी कहासुनी; कुछ देर बाद परिजनों ने फंदे पर लटका हुआ देखा

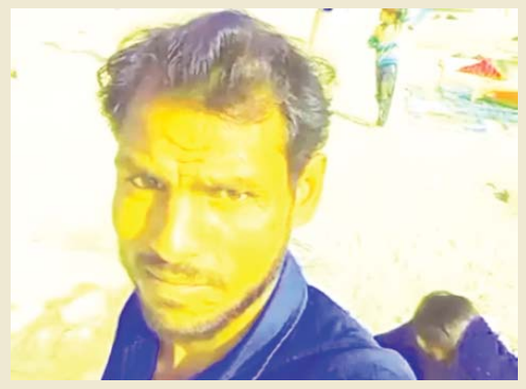

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ के संकट मोचन कॉलोनी में एक दुखद घटना सामने आई। रविवार रात 28 वर्षीय महेश मेवाड़े ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार शाम की है। महेश अपने घर पर था। उसके और परिजनों के बीच हल्की कहासुनी हुई। इसके बाद वह कमरे में चला गया। रात करीब साढ़े आठ बजे उसने फांसी लगा ली। परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी।

शराब के नशे में था युवक : कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा बनाकर शव को नीचे उतारा गया। शव को जिला अस्पताल भेजा गया। देर रात शव को मॉर्च्युरी में रखा गया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कोतवाली थाना प्रभारी वीर सिंह ठाकुर के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक शराब के नशे में था। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सागर की मोतीनगर पुलिस ने पकड़ा मोबाइल चोर, घर में घुसकर चोरी कर भागा था; मुखबिर तंत्र की मदद से गिरफ्तार

सागर, एजेंसी। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी गया एक मोबाइल बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त को फरियादी सार्थक पिता राजकुमार श्रीवास्तव (25) निवासी संत रविदास वार्ड ने थाने में आकर शिकायत की थी। बताया कि वारदात दिनांक में घर में था। रात करीब 1.30 बजे अपने दो एंड्रॉइड मोबाइल टेबल पर रखकर सो गया था। सुबह सोकर जागा और देखा तो टेबल पर रखे मोबाइल नहीं थे। आसपास तलाश किए, लेकिन मोबाइल नहीं मिले। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया। आरोपी की तलाश में मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। जांच के दौरान संदेही का नाम सामने आया,जिसकी तलाश शुरू की गई।

रविवार को आरोपी की लोकेशन वार्ड के पास मिली। लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी रोशन पिता मनीराम अहिरवार (26) निवासी भगतसिंह वार्ड को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में मोबाइल चोरी की वारदात करना स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर एक मोबाइल बरामद किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।नर्मदापुरम जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भोपाल मिलिट्री हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही सर्वोपरि कल्याण समिति के सदस्य नीलम पटेल, किशोर धड़ौरे और सुनील बर्दिया तत्काल अस्पताल पहुंचे। घायल जवान को भोपाल मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

नर्मदापुरम में डीएपी-यूरिया का संकट- सेमरीहरचंद, पिपरिया में सुबह 7 बजे से लगी भीड़, नहीं मिला खाद, कांग्रेस ने शुरू किया प्रदर्शन

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिले भर में किसान यूरिया, डीएपी के लिए परेशान हो रहे है। सुबह से ही किसान लंबी लंबी कतार में लगने को मजबूर है। डबल लॉक गोदामों में किसानों की भीड़ उमड़ रही हैं। सोमवार कोपिपरिया और सेमरी हरचंद के डबल लॉक गोदाम पर किसानों की कतार लगी है। गोदाम खुलने 11बजे खुला। लेकिन उससे 4,5 घंटे पहले से किसान गोदाम पहुंच गए। टोकन के लिए किसानों के बीच धक्का मुक्की हुई। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को बुलाया गया। भीड़ अधिक होने से टोकन बांटने के लिए किसानों को हेलीपेड पर ले जाया गया।

किसानों को खाद के लिए 5,6 दिनों तक परेशान होना पड़ रहा है। कई किसानों का बड़े किसानों को यूरिया की बोरी सप्लाई की जा रही है। जिसके चलते स्टॉक खत्म हो जा रहा है एवं हम कतार में ही लगे खड़े हैं।

खाद के लिए कांग्रेस मैदान में उतरी : यूरिया, डीएपी को लेकर चल रहे संकट को खत्म करने के लिए कांग्रेस भी मैदान में उतरी हुई है। माखननगर में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शिवकांत पांडे और पुष्पराज पटेल के नेतृत्व में पार्टी ज्ञापन सौंपेगी। पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल का कहना है कि कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की नाकामी है जिससे किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है। किसानों को उनकी मांग के हिसाब से खाद की उपलब्ध कराया जाना चाहिए वरना परिणाम गलत होंगे।

राजगोन पहुंचे संत दादा गुरु, भक्तों को दिलाया नर्मदा स्वच्छता व पौधारोपण का संकल्प; महाराष्ट्र रवाना

खरगोन, एजेंसी । निराहार रहकर मां नर्मदा की पैदल यात्रा कर रहे संत समर्थ दादा गुरु रविवार की देर रात खरगोन पहुंचे। सनावद से आते समय सैकड़ों भक्तों ने उनका स्वागत किया। जैतापुर में नर्मदा भक्त नरेन्द्रसिंह तंवर और यादवेंद्र सिंह के निवास पर उनका विशेष स्वागत हुआ। भक्तों ने परंपरागत रूप से उनके पैर पखारे। दादा गुरु ने इस दौरान दो महत्वपूर्ण संदेश दिए। उन्होंने मां नर्मदा को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। साथ ही अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। खरगोन में अल्प प्रवास के बाद वे सेंधवा होते हुए महाराष्ट्र के धूलिया के लिए रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि संत दादा गुरु पहले भी कई बार निराहार रहकर नर्मदा परिक्रमा करते हुए खरगोन आ चुके हैं। अनुयायी नरेन्द्रसिंह तंवर के अनुसार, दादा गुरु ने भक्तों को आशीर्वाद दिया और उन्हें नर्मदा की स्वच्छता तथा पौधारोपण का संकल्प दिलाया।

रतलाम बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने राकेश शर्मा, पूर्व दो अध्यक्षों को हराया; चेतन केलवा को सचिव पद मिला, सह सचिव पद का रिजल्ट होल्ड

रतलाम, एजेंसी। रतलाम बार एसोसिएशन के नए अध्यक्ष राकेश शर्मा होंगे। रविवार रात 12.10 बजे तक अभिभाषक संघ के चुनाव की मतगणना के बाद परिणामों की घोषणा हुई। रिजल्ट के बाद चेतन केलवा को सचिव चुना गया। वहीं सुनील जैन को उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह पंवार को कोषाध्यक्ष और सुनीता वासनवाल को पुस्तकालय सचिव चुना गया।सहसचिव पद की घोषणा नहीं की गई। दो प्रत्याशियों के बीच दो वोटों का अंतर होने के कारण दोबारा सोमवार को सहसचिव पद के वोटों की गिनती की जाएगी।

अध्यक्ष पद के लिए मैदान में थे 4 कैंडिडेट : तलाम अभिभाषक संघ के चुनाव 23 अगस्त (शनिवार) को हुए थे। अध्यक्ष पद के लिए 4 उम्मीदवार मैदान में थे। जिसमें से राकेश शर्मा ने सर्वाधिक 181 वोटों से जीत हासिल की। कांग्रेस ने नेता अजय सिंह रघुवंशी ने कहा- शहर में गड्ढे ही गड्ढे हैं। युवक साइड से चल रहा था। अन्य कोई घायल नहीं हुआ। शहर के गड्ढे भरे जाने चाहिए।बता दें कि दो दिन पहले इच्छापुर रोड पर भी खराब सड़क के कारण गणेश प्रतिमा गिरने की घटना हुई थी। उसके बाद प्रशासन ने पेचवर्क शुरू किया था। शनिवार को सिंधी बस्ती क्षेत्र में मरम्मत का काम हुआ और शाम को शांति समिति की बैठक में कलेक्टर ने अफसरों को सड़क दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। इसी बीच यह हादसा हो गया। प्रतिपाल सिंह ने बताया कि वे पत्नी-बच्चों से 15 साल से अलग रह रहे हैं। पत्नी झांसी में दोनों बेटों के साथ रहती है। बेटी गोरखपुर में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। उन्होंने कहा- 20 अगस्त को पत्नी माया यादव, बेटों आकाश और आभास के साथ गांव आई थी। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद मिले पैसों की मांग की। मैंने सवाल किया तो तीनों ने झांसी चलने की बात कही। मैंने इनकार कर दिया तो जबरन झांसी ले जाने की कोशिश करने लगे। बेटों ने पकड़ा और पत्नी ने मोबाइल और एटीएम निकाल लिए। इसी बीच पड़ोसी बीच-बचाव कराने आ गए तो तीनों भाग निकले। बेटों पर एफआईआर नहीं कराना ई। उन्होंने बताया कि बड़े बेटे को 5 लाख और छोटे बेटे को 15 लाख रुपए देने का वादा किया था। बेटी की शादी करनी है इसलिए वे इस विवाद को और नहीं बढ़ाना चाहते। प्रतिपाल सिंह यादव को रिटायरमेंट पर ईपीएफ के 20 लाख रुपए मिले हैं। बाकी ग्रेच्युटी और दूसरी मदों के 33 लाख रुपए और मिलना बाकी हैं।मतगणना की प्रोसेस रविवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। सुबह 11 बजे वोटों की गिनती शुरू हुई। रात 12.10 बजे परिणामों की घोषणा की। पहले कार्यकारिणी सदस्यों के वोट की गिनती हुई। आखिरी में अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों के वोट गिने गए। कुल 748 लोगों में से 672 ने वोट किया था।

2 वोटों का अंतर : सहसचिव पद के लिए 4 उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें से विकास सोनी को 219 व वीरेंद्र कुलकर्णी को 217 वोट मिले। दोबारा गिनती कराने की मांग की। इस कारण सहसचिव पद की घोषणा नहीं हो पाई। सोमवार को वोटों की गिनती दोबारा की जाएगी।

पूर्व अध्यक्ष को हराया : अध्यक्ष पद के लिए 4 उम्मीदवारों में से पूर्व अध्यक्ष सुनील लाखोटिया और दशरथ पाटीदार हार गए। विमल छिपानी भी तीसरी बार अध्यक्ष के लिए खड़े हुए लेकिन वह भी हार गए। पहली बार मैदान में आए राकेश शर्मा ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की।

घर-घर पहुंचेगा डिजिटल संदेश: बच्चों के लालन-पालन का दिया प्रशिक्षण

सलामतपुर, एजेंसी। सलामतपुर 7 आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में संगत संस्था द्वारा बच्चों के शुरुआती 1000 सुनहरे दिनों के महत्व पर लालन-पालन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गोवा से विशेष रूप से पहुंची संस्था की स्टेट कोऑर्डिनेटर तनुश्री शर्मा ने अपने सहज और सरल अंदाज में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ बच्चों को भी मुख्य संदेश दिया। प्रशिक्षण में एडीसी डॉ. निकिता पाठक ने वीडियो माध्यम से बताया कि बच्चों के शुरुआती वर्ष क्यों सबसे अहम होते हैं और शिशु लालन-पालन में परिवार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं भोपाल से आईं मनोवैज्ञानिक संध्या पिल्ले ने प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आगे की कार्ययोजना की रूपरेखा समझाई।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने जीता महिला डीपीएल का खिताब, रोमांचक फाइनल में सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 1 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात महिला दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच से भरा रहा। पिछले सीज़न की उपविजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने इस बार खिताब जीत लिया और सेंट्रल दिल्ली क्वींस को सिर्फ 1 रन से मात देकर चैंपियन बनीं। 122 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली क्वींस की शुरुआत खराब रही। शुरुआती विकेट गिरने और बीच में बारिश से खेल बाधित होने के बाद उनकी पारी लय नहीं पकड़ सकी। 74/5 पर संघर्ष कर रही टीम को मोनिका (33 रन, 28 गेंद) और रिया शौकीन (28* रन, 28 गेंद) ने छठे विकेट के लिए 33 रनों की साझेदारी से संभाला। लेकिन अहम मौके पर मोनिका के आउट होने से मैच का रूख बदल गया। निचला क्रम डगमगा गया और क्वींस 20 ओवर में 120/8 तक ही पहुँच सकीं, यानी लक्ष्य से सिर्फ एक रन पीछे रह गईं।उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वालों में रश्मिता साहू, विद्या देवी ओइनाम, श्रुति चौगुले, डैली बिश्नोई, शिखा चौहान, पल्लवी जगताप और उत्तराखंड के विशाल डांगी शामिल रहे। साई के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर दिलिप बेनिवाल ने इसे जल क्रीड़ा विशेषकर कायाकिंग और कैनोइंग के लिए स्प्रिंगबोर्ड करार दिया। उनके अनुसार, हमारे पास रोइंग में ओलंपिक प्रतिनिधि हैं, अब कायाकिंग और कैनोइंग में भी भारत वैश्विक स्तर पर चमक सकता है। स्पोर्ट्स मंत्रालय की खेलो भारत नीति, टॉप्स और फेस्टिवल खिलाड़ियों को नई ऊर्जा दे रहा है।

दक्षिण दिल्ली की ओर से मेधावी बिधुरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। हिमाक्षी चौधरी ने भी 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी सुपरस्टार्ज़ की शुरुआत भी साधारण रही। तनिष्का सिंह (14) और शिवि शर्मा (29) ने पारी को संभाला। इसके बाद तनिशा सिंह (28) ने शिवि के साथ मिलकर 50 रनों की अहम साझेदारी की। लेकिन इनके आउट होते ही मिडिल ऑर्डर बिखर गया।

क्वींस की ओर से प्रिया मिश्रा (2/19), निधि माहतो (2/24) और साची (2/7) ने शानदार गेंदबाज़ी की। हालांकि कप्तान श्वेता सेहरावत (34 रन, 24 गेंद) ने आखिरि तक संघर्ष कर टीम को 20 ओवर में 121/8 तक पहुँचाया। यही स्कोर अंततः खिताब दिलाने में निर्णायक साबित हुआ।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड: साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़: 121/8, 20 ओवर (श्वेता सेहरावत 34, शिवि शर्मा 29, तनिशा सिंह 28; प्रिया मिश्रा 2/19, निधि माहतो 2/24, साची 2/7)।

सेंट्रल दिल्ली क्वींसः 120/8, 20 ओवर (मोनिका 33, रिया शौकीन 28*; मेधावी बिधुरी 3/26, हिमाक्षी चौधरी 2/18)

एशियन शूटिंग चैंपियनशिपः मनु भाकर चौथे स्थान पर, ईशा सिंह रहीं छठे नंबर पर

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी। भारत की डबल ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं, उनकी साथी ईशा सिंह आठ सदस्यीय फाइनल में छठे स्थान पर रहीं। भाकर ने फाइनल में कुल 25 अंक बनाए, जो वियतनाम की थू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक कम रहे। त्रिन्ह ने 29 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। चीन की यूएयूए झांग और जियारुइक्सुआन शिआओ ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। दोनों 39-39 अंकों पर बराबरी पर रहीं, जिसके बाद शूट-ऑफ में झांग ने 4-3 से जीत दर्ज की। टीम इवेंट में भारत की मनु भाकर, ईशा सिंह और सिमरनप्रीत कौर बराड़ की तिकड़ी ने कुल 1749 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहा। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया था। वह मनु भाकर और चीनी शूटर शिआओ व झांग से आगे रहीं। मनु क्वालिफिकेशन के प्रिसिजन स्टेज के बाद चौथे स्थान पर थीं। इससे पहले, मनु भाकर प्रतियोगिता में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम इवेंट में दो कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

सिंकफील्ड कप : लगातार ड्रॉ के बाद भी प्रज्ञानानंद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर

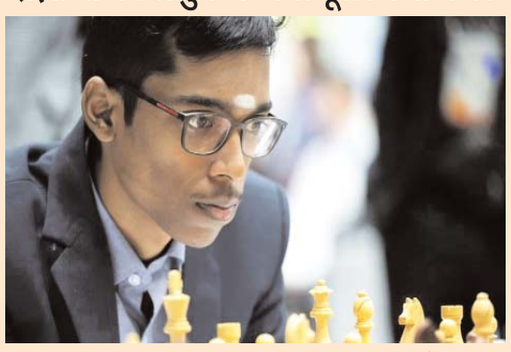

सेंट लुईस (अमेरिका), एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप (ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा) के छठे दौर में पोलैंड के जान-क्रिज़्स्टॉफ़ डूडा से ड्रॉ खेला। यह उनका लगातार पांचवां ड्रॉ रहा। इस नतीजे के बाद प्रज्ञानानंद 6 मुकाबलों में 3.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना 4 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बने हुए हैं और उन्होंने आधे अंक की बढ़त बनाए रखी है। प्रज्ञानानंद के साथ अमेरिका के लेवोन अरोनियन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, विश्व चैंपियन डी. गुकेश 3 अंकों के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से बने हुए हैं। उनके साथ अमेरिका के वेस्ली सो, सैमुअल सेवियन और फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ज़ा तथा मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव भी शामिल हैं।

छठे दौर में गुकेश ने फिरोज़ज़ा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से मैच ड्रॉ कराया। कारुआना और सेवियन, अब्दुसत्तोरोव और वाशिए-लाग्रेव, अरोनियन और वेस्ली ङ्क सभी मुकाबले ड्रॉ रहे। यह लगातार दूसरा दिन रहा जब सभी खेल बराबरी पर खत्म हुए। डूडा के खिलाफ प्रज्ञानानंद ने सिसिलियन डिफेंस के खिलाफ अलापिन वेरिएशन अपनाया और थोड़ी बढ़त बनाई। हालांकि डूडा के रूख बलिदान के बाद खेल संतुलित हो गया और प्रज्ञानानंद को ड्रॉ स्वीकार करना पड़ा। यह मुकाबला सिर्फ 32 चालों तक चला। गुकेश ने किंग पॉन ओपनिंग खेली और सिसिलियन डिफेंस का सामना किया। बीच के खेल में उन्होंने एक प्यादा गंवाया, लेकिन शानदार बचाव के दम पर माइनर पीस एंडगेम में मैच ड्रॉ कराने में सफल रहे।

एशिया कप 2025: खिताब बचाने बिहार पहुँची कोरिया हॉकी टीम

राजगीर, एजेंसी। गत विजेता कोरिया की पुरुष हॉकी टीम रविवार रात एशिया कप 2025 के लिए बिहार पहुँच गई। कप्तान जोंगसुक बे के नेतृत्व में कोरिया टीम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर में खेला जाएगा। कोरिया अब तक पुरुष एशिया कप का खिताब रिकॉर्ड पाँच बार जीतकर सबसे सफल टीम रही है। उनका पिछला खिताब 2022 में जकार्ता में आया था, जब फाइनल में उन्होंने मलेशिया को 2-1 से हराया था। वर्तमान में विश्व हॉकी रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज कोरिया को पूल-बी में रखा गया है, जहाँ उसका सामना मलेशिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे से होगा। टीम अपना पहला मैच 29 अगस्त को चीनी ताइपे के खिलाफ खेलेगी, इसके बाद 30 अगस्त को मलेशिया से भिड़ेगी और 1 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ पूल चरण का समापन करेगी। कप्तान जोंगसुक बे ने आगमन पर कहा, यह हमारा राजगीर में पहला टूर्नामेंट है और यहाँ जो स्वागत हमें मिला है वह बेहद खास और दिल छू लेने वाला है। लोगों की मेहमाननवाजी और उत्साह ने इस प्रतियोगिता को हमारे लिए और भी खास बना दिया है। खिताब बचाने की चुनौती पर बे ने कहा, यह कहना आसान नहीं कि हम खिताब बचा लेंगे, क्योंकि हर टीम मजबूत है और मुकाबले कठिन होंगे। लेकिन हम वादा करते हैं कि मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और पूरी प्रतिबद्धता और जज़्बे के साथ खेलेंगे। हमारी कोशिश होगी कि ट्रेनिंग में की गई मेहनत को प्रदर्शन में बदलें और सकारात्मक नतीजे लेकर लौटें। उन्होंने आगे कहा, इस टूर्नामेंट की अहमियत और भी बढ़ जाती है क्योंकि विश्व कप का टिकट दांव पर है। दबाव जरूर है, लेकिन हम इसे बोझ नहीं बनने दे रहे।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल, डल झील से शुरू हुई वैश्विक सफलता की नई यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 का समापन भले ही हो चुका है, लेकिन तीन दिन तक डल झील पर चली रोमांचक प्रतिस्पर्धाओं ने भारतीय जल क्रीड़ा इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के संयुक्त आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों बल्कि कोचों में भी उत्साह भर दिया है। अब लक्ष्य एशियन गेम्स 2026 और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में पदक जीतना है। इससे पहले राष्ट्रीय स्तर के खुले आयु वर्ग के टूर्नामेंट में 24 स्वर्ण पदकों का फैसला हुआ, जिनमें से 10 रोइंग के ओलंपिक इवेंट थे। मध्य प्रदेश, ओडिशा और केरल शीर्ष तीन राज्यों के रूप में उभरे। भोपाल की झील, ओडिशा का जगतपुर ट्रेनिंग सेंटर और केरल के अलप्पुझा का साई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चर्चा में रहे क्योंकि यहां से तैयार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश ने 24 में से 10 स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा साबित किया। कोच अंकुश शर्मा ने कहा, यह महीनों की सख्त तैयारी, अनुशासन और खिलाड़ियों के विश्वास का परिणाम है। हर पैडल स्ट्रोक में उद्देश्य था। सहायक कोच चंपा मौर्य ने जोड़ा कि खिलाड़ियों की मानसिक मजबूती पर भी काम किया गया, जिससे वे दबाव में निखरे। ओडिशा ने जगतपुर सेंटर से उतरे खिलाड़ियों के दम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कोच लैशराम जॉनसन सिंह ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। हमारे पास प्रतिभा अपार है। सही निवेश और समर्थन मिले तो हम शीर्ष पर होंगे। आज रजत है, कल स्वर्ण जरूर होगा। केरल ने 3 स्वर्ण सहित कुल 7 पदक जीतकर तीसरा स्थान पाया। कोच पृथ्वीराज नंदकुमार शिंदे ने कहा, केरल का जल क्रीड़ा से जुड़ा गौरवशाली अतीत है। इस बार हमने उसमें नया अध्याय जोड़ा है। फेस्टिवल में 47 साई खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 15 सदस्यीय जगतपुर दल ने ही 3 स्वर्ण व 5 रजत दिलाए।

यूएस ओपन 2025: पहले ही दौर में मेदवेदेव बाहर, बोनजी ने किया बड़ा उलटफेर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन 2025 के पहले ही दिन जबरदस्त ड्रामा और हंगामा देखने को मिला। 2021 के चैंपियन डानिल मेदवेदेव को फ्रांस के बेंजामिन बोनजी ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-3, 7-5, 6-7(5), 0-6, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह मैच सिर्फ नतीजे के लिहाज से ही नहीं, बल्कि कोर्ट पर मचे बवाल के कारण भी सुर्खियों में रहा। तीसरे सेट में मैच प्वॉइंट के दौरान एक फोटोग्राफर कोर्ट पर आ गया, जिससे खेल कुछ देर के लिए रुक गया। चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने इस व्यवधान के बाद बोनजी को पहला सर्व दोहराने का मौका दिया, जिस पर मेदवेदेव भड़क उठे। रूसी खिलाड़ी ने अंपायर पर जमकर चिल्लाया और यहां तक कह डाला ङ्क्या आप मर्द हैं? क्यों कांप रहे हैं? लगभग छह मिनट तक मैच रुका रहा और स्टेडियम में हूटिंग, सीटियां और दर्शकों की आवाजाही का शोर गूंजता रहा। यूएसटीए ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फोटोग्राफर की मान्यता रद्द कर दी और उसे कोर्ट से बाहर कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम से मेदवेदेव को कुछ राहत मिली। उन्होंने तीसरे सेट में वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और चौथे सेट में 6-0 से बोनजी को परास्त कर मैच को बराबरी पर ला दिया। हालांकि निर्णायक सेट में बोनजी ने हिम्मत दिखाई और शानदार प्रदर्शन के साथ जीत पक्की कर ली। मैच खत्म होने के बाद बोनजी ने कहा, ये पागलपन भरा अनुभव था। शायद मुझे कुछ नए फैन मिले और कुछ गैर-फैन भी। माहौल इतना शोरगुल वाला था कि मैच प्वॉइंट पर हमें लगभग पांच मिनट इंतजार करना पड़ा, लेकिन इस ऊर्जा ने मुझे जीत की ताकत दी। विश्व रैंकिंग में 51वें नंबर के बोनजी ने ग्रैंड स्लैम में लगातार तीसरी बार मेदवेदेव को पहले ही दौर में हराया है। वहीं, मेदवेदेव इस साल ग्रैंड स्लैम में बेहद खराब प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन से बाहर होने वाले पहले पूर्व चैंपियन बन गए।

बेलिंडा क्लार्क को स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम में 'लीजेंड' का दर्जा

सिडनी,एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बेलिंडा क्लार्क को स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम ने 'लीजेंड' का दर्जा दिया है। क्लार्क यह सम्मान पाने वाली केवल छठी क्रिकेटर बनी हैं। उनसे पहले डॉन ब्रैडमैन, कीथ मिलर, रिची बेनॉड, डेनिस लिली और शेन वॉर्न को यह सम्मान मिल चुका है। हॉल ऑफ फेम ने इसे उनके खेल में उत्कृष्टता, लंबे करियर, जज्बे और योगदान की पहचान बताया।

क्लार्क को दुनिया की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने 1991 से 2005 तक के करियर में वनडे में 47.49 और टेस्ट में 45.95 की औसत से रन बनाए। केवल 23 साल की उम्र में कप्तान बनने वाली क्लार्क ने 11 वर्षों तक यह जिम्मेदारी संभाली। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 101 वनडे में से 83 मैच जीते और दो विश्व कप खिताब अपने नाम किए। 1997 विश्व कप में डेनमार्क के खिलाफ 229 रन की नाबाद पारी खेलकर क्लार्क वनडे में दोहरा शतक लगाने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी (पुरुष या महिला) बनीं।यह हमें और कड़ी मेहनत करने और केंद्रित रहने की प्रेरणा दे रहा है। हमारा लक्ष्य है कि हर मैच में पूरी ताकत झोंककर अच्छा नतीजा हासिल करें।

खिलाड़ी जीवन के बाद भी क्लार्क ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में प्रशासक और आईसीसी महिला समिति की सदस्य के रूप में योगदान दिया।

क्लार्क ने कहा, यह अविश्वसनीय सम्मान है। मैं गर्व, कृतज्ञता और आश्चर्य का मिश्रण महसूस कर रही हूं। क्रिकेट टीम खेल है और यह उपलब्धि भी मेरे साथियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ की मेहनत का नतीजा है। मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेट सही दिशा में आगे बढ़ रही है और मैं इसके भविष्य को लेकर आश्वस्त हूं।

स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम चयन समिति के अध्यक्ष ब्रूस मैकएवनी ने कहा, क्लार्क एक ट्रेलब्लेज़र हैं। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी से खेल का तरीका बदला। खिलाड़ी, कप्तान और शीर्ष प्रशासक के रूप में उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव बेमिसाल है।

2023 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर क्लार्क की प्रतिमा लगाई गई थी और उनके नाम पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया व क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स ने पदक भी शुरू किए हैं।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

13 नवम्बर को किया जायेगा अंतिम प्रकाशन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार जिले की नगर पालिका एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण वर्ष 2025 कार्यक्रम के तहत सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विकास सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स डॉ. बीके गुप्ता द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, ब्लाक एवं नगरीय निकाय स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को मतदाता सूची तैयार करने के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया। इस मौके पर नागौद के नायब तहसीलदार यादवेन्द्रमणि त्रिपाठी, राजेन्द्र प्रसाद मांझी, नायब तहसीलदार उचेहरा परमानंद तिवारी, मंगलेश्वर सिंह सहित ब्लाक तथा नगरीय निकाय के मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम के अनुसार फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का नगर पालिका वार्ड और अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 8 अक्टूबर 2025 को किया जाएगा।

प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में 8 से 17 अक्टूबर तक दावे-आपत्ति लिये जाएंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 27 अक्टूबर तक किया जाएगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का नगर पालिका वार्ड तथा अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 13 नवम्बर 2025 को किया जाएगा।

मैहर पुलिस का आपरेशन रिंगटोन, साइबर सेल की टीम ने 60 नागरिकों के मोबाइल खोजे

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन में जिला सायबर सेल मैहर की टीम द्वारा गुम मोबाइल संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से लगभग 10 लाख 35 हजार रूपये की कीमत के 60 नागरिकों के मोबाइल बरामद किया गया। बरामद किये गये मोबाइल सैमसंग, वनप्लस, ओप्पो, वीवो, पोको, टेक्नो, रेडमी, रीयलमी, एमआई, इनफ्निक्स तथा लावा कंपनियों के है। सभी मोबाइलों को सतना, मैहर, रीवा, पन्ना, छतरपुर, चित्रकूट, दिल्ली, भिण्ड, टीकमगढ, गुजरात के स्थानों से ट्रैस कर बरामद किया गया है। इसके बाद मोबाइलों को पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया गया। आवेदकों को मोबाइल वापिस मिलने सभी मालिकों द्वारा मोबाइलों के वापस मिलने पर पुलिस अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम को धन्यवाद दिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल ने सायबर सेल की टीम को पुरूस्कृत करने की घोषणा की है।

मैहर पुलिस की अपील है कि यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल गुम हो गया है या चोरी हो गया है तो इसकी रिपोर्ट नजदीकी थाने पर दर्ज करायें या फिर सीईआईआर पोर्टल पर जाकर मोबाइल को ब्लाक कराये ताकि डिवाइस का दुरूपयोग न हो।

राज्य कौशल प्रतियोगिता के संबंध में कार्यशाला आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य कौशल प्रतियोगिता के प्रचार प्रसार तथा पंजीयन के लिए 26 अगस्त को संभागीय आईटीआई रीवा में दोपहर 12 बजे से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्राचार्य आईटीआई एस.एन. मिश्रा ने बताया कि कौशल प्रतियोगिता में 63 तरह के विभिन्न स्किल के संबंध में प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी। इसमें शामिल होने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू स्किल इंडिया डिजिटल डाट जीओव्ही डाट इन पोर्टल पर 30 सितंबर तक पंजीयन कराना अनिवार्य है। कार्यशाला में पंजीयन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जायेगी।

कार्यशाला में भाग लेने के लिए सभी आईटीआई, इंजीनियरिंग कालेज, पालिटेक्निक कालेज, माडल साइंस कालेज, टीआरएस कालेज, शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्यों से अनुरोध किया गया है।

रंगोली एवं सेल्फी के साथ सदगुरू नेत्र चिकित्सालय में हुआ 40वे नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। परमहंस संत रणछोड़ दास जी महाराज के कर कमलों द्वारा स्थापित श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट एवम् विश्वख्याति प्राप्त सदगुरू नेत्र चिकित्सालय में आज 40वें नेत्र दान पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। इस सुभारंभ के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, लोगो को रंगोली के माध्यम से नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने का काम किया गया। इस रंगोली प्रतियोगिता में ट्रस्ट द्वारा संचालित सभी विद्यालयों की छात्राओं,चिकित्सकों एवम् चिकित्सालय स्टॉफ की महिलाओं ने प्रतिभाग किया कुल मिलाकर इस रंगोली प्रतियोगिता में 6 टीमों ने प्रतिभाग किया। साथ ही इस मौके पर सभी को बैच लगाया गया एवम् चिकित्सालय में बने सेल्फी प्वाइंट पर लोगो ने सेल्फी लेकर नेत्र दान करने की शपथ ली। यह नेत्र दान पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक चलेगा इस दौरान अलग अलग दिनों में अलग अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमे नेत्र दान के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए नेत्रदान जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, हस्ताक्षर अभियान, विद्यालयों में भाषण एवम् पोस्टर प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम आयोजित होगे।

इस मौके पर सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के निदेशक पद्मश्री डॉ बी के जैन ने रंगोली का अवलोकन कर सभी प्रतिभाग करने वाली टीमों का उत्साहवर्धन किया और नेत्रदान को लेकर उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के नेत्रदान करने से दो लोगों की जिंदगी में उजाला आ जाता है इसलिए इस पुनीत कार्य में हम सब लोगों को आगे आना चाहिए साथ ही समाज के हर व्यक्ति जाति, धर्म का भेदभाव मिटाकर ये संकल्प लेना चाहिए कि इस महादान को लेकर समाज में तमाम तरह की फैली गलत भ्रांतियों की अवधारणा दूर करने में बढ़चढकर सहयोग करे जिससे देश से अंधत्व मिटाया जा सके। इस मौके पर डा आलोक सेन, डा प्रधन्या सेन, डा गौतम सिंह परमार,डा राजेश जोशी,डा राकेश शाक्या,डा नरेंद्र पाटीदार, एवम् डा अशोक सहित नेत्र चिकित्सालय के सभी डॉक्टर्स सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

पति से झगड़े के बाद फ्लाईओवर पर चढ़ी महिला, राहगीरों ने समझाकर उतारा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक महिला ने पति से हुए विवाद के बाद एक महिला फ्लाईओवर की रेलिंग पर चढ़ गई। महिला जान देने की धमकी देने लगी, जिसके बाद रास्ते से जा रहे लोगों ने उसे रोकने की कोशिश की। रविवार शाम को नईबस्ती की रहने वाली महिला का अपने पति से झगड़ा हुआ था। वह नाराज होकर घर से निकली, पति उसे समझाने के लिए उसके पीछे आया।

अवैध संबंध रखने का आरोप लगाया: महिला ने पति पर दूसरी महिला से संबंध रखने का आरोप लगाया। इसके बाद वह कोलगवां थाना की तरफ फ्लाईओवर की रेलिंग पर चढ़ गई। महिला को रेलिंग पर चढ़ा देख आस पास से गुजर रहे लोग उसे रोकने का प्रयास करने लगे। फ्लाईओवर के पास भीड़ जमा हो गई। लोगों के समझाने पर उसे नीचे उतारा गया।

महिला ने एफआईआर दर्ज कराने से मना किया: इस दौरान पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस महिला को थाने ले जाकर रिपोर्ट दर्ज कराना चाहती थी। लेकिन महिला ने एफआईआर दर्ज कराने से मना कर दिया। पुलिस के अनुसार महिला को पति के अफेयर का शक था, हालांकि माफी मांगने पर वह उसके साथ जाने के लिए तैयार हो गई। यह घटनाक्रम करीब एक घंटे तक चला।

भारतीय सिंधू सभा ने किया सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधू सभा द्वारा अखंड भारत सिन्ध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 24 अगस्त रविवार को सिन्धी कॉलोनी स्थित माधव गुणवंती हाल में महंत स्वामी खिम्यादास जी के सानिध्य में एवं मुख्य अतिथि महेश ठारवानी प्रदेश महामंत्री के मुख्यआतिथ्य में विशिष्ट अतिथि लालचंद लालवानी प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गोपी गेलानी जी पार्षद मनीष टेकवानी जी पार्षद के उपस्थिति में एवं संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ।

संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कार्यक्रम का शुभारंभ इष्टदेव भगवान झूलेलाल की प्रतिमा के समक्ष मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया*पवन सोनी द्वारा मां सरस्वती वंदना की गई। तपश्चात मंचासीन अतिथियों का संस्था पदाधिकारी द्वारा माल्यार्पण से स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्था के अध्यक्ष अशोक चांदवानी ने आए हुए अतिथियों एवं उपस्थित सम्मानीयगणों का शब्दों से स्वागत करते हुए कहा कि हम विश्व की प्राचीनतम सभ्यता सिंधू घाटी सभ्यता के वारिस हैं जिन्होंने सिंधू सरस्वती जैसी पवित्र नदियों का पानी पीया है इसका हमे गर्व है। राजेश कोटवानी ने शानदार गीत की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह किया महंत स्वामी खिम्यादास जी ने आशीर्वचन देते हुए कहा भारतीय सिंधु सभा की जो अखंड भारत परिकल्पना है वह अवश्य पूरी होगी ऐसा मेरा विश्वास है।

1 और सीट में कांग्रेस पार्टी का कब्जा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वार्ड नंबर 13 के निर्दलीय पार्षद मो सोहराब का निर्वाचन शून्य होने के बाद इस वार्ड में दूसरे स्थान में रहे कांग्रेस के मो. नफीस को पार्षद घोषित किया गया, आपको बता दे की वार्ड नम्बर 13 हमेशा से कांग्रेस की सीट रही है, आज स्थरूकार्यालय में तहसीलदार नागौद और नगरपंचायत अध्यक्ष से प्रमाण पत्र हासिल करने के बाद मो नफीस वार्ड नंबर 13 के नए पार्षद बन गए है।

इनकी नियुक्ति में मुख्य रूप में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मो. हामिद एडवोकेट, जिला महामंत्री विनीत सिंह विन्नू, जीतेन्द्र सिंह गहरबार, जित्तू सिंह पूर्व उपाध्यक्ष नगर पंचायत नागौद, नागौद विधानसभा मिडिया अध्यक्ष लतीफ खान अंजू, हाजी सलमान, विनोद कुशवाहा आयुष्मान सिंह, मोबीन अली, सत्तू कुशवाहा, जमील खान, रंजीत वर्मा, सईम खान, भूरा भाई, कांग्रेस मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा आदि बहूत से लोगो ने हर्ष व्यक्त किया। मो. नफीस के पार्षद बनने के बाद नगरपंचायत में कांग्रेस और मजबूत हुयी।

अवैध शराब को लेकर 6 जगह छापेमारी, 1.60 लाख की 1600 किलो महुआ लाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मध्य प्रदेश के मऊगंज में आबकारी विभाग ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ शुक्रवार को विशेष अभियान चलाया। टीम ने सुबह से शाम तक विभिन्न गांवों में छापेमारी की। ग्राम नौआ में रामसुख केवट के यहां से 180 किलो महुआ लाहन मिला। ग्राम हटवा में गायत्री साकेत के मकान से 560 किलो और सकुंतला साकेत के यहां से 280 किलो महुआ लाहन बरामद हुआ। ग्राम अमिरती में गुलाबकली साकेत के मकान से 240 किलो, साहिल दीपांकर से 160 किलो और अनुराग साकेत के यहां से 180 किलो महुआ लाहन जब्त किया गया।

आबकारी विभाग ने कुल 6 मामले दर्ज किए हैं। जब्त किए गए 1600 किलो महुआ लाहन की कीमत करीब 1.60 लाख रुपये है। सभी मामले मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज किए गए हैं। सहायक आबकारी आयुक्त रीवा ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। प्रदेश में अवैध शराब कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई में परिवीक्षाधीन आबकारी उपनिरीक्षक अदिति अग्रवाल, आरक्षक वेदप्रकाश तिवारी, संगीता द्विवेदी, अखिलेश शुक्ला, शुभम द्विवेदी और नगर सैनिक मनोज दुबे व राजेंद्र मिश्रा शामिल थे।

पुलिस के हत्थे चढ़ा बाइक चोर गिरोह, 4 बाइक बरामद; पूछताछ जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लगातार बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। वाहन चोरी की शिकायतों को लेकर पुलिस ने स्पेशल वाहन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान बिछिया पुलिस ने संदिग्ध रूप से दिखने वाले एक युवक को राउंडअप किया। युवक से जब पूछताछ की तो उसने बाइक चोरी की बात जानकारी दी।युवक के द्वारा दिए गए इनपुट से अलग-अलग थानों में वाहन चोरी के दर्ज चार मामलों का खुलासा हो गया।

मामले के संबंध में जानकारी देते हुए बिछिया थाना प्रभारी मनीष उपाध्याय ने बताया कि बिछिया थाना क्षेत्र से चोरी की गई एक बाइक के मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस लगातार वाहन की तलाश कर रही थी। इसी दौरान सुनील पटेल पिता शंकर पटेल उम्र 22 वर्ष निवासी लखोरी बाग को संदिग्ध दिखने पर बाइक सहित युवक को थाने ले आई और उससे पूछताछ शुरू कर दी।

युवक ने पूछताछ में किया खुलासा: युवक द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक पुलिस ने करन दाहिया नागेंद्र पटेल सहित आरिफ खान को हिरासत में लिया। जिनसे पुलिस ने दो पल्सर सहित दो डीलक्स बाइक बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को जेल भेजा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपियों से अंतर राज्यीय बाइक चोर गिरोह का खुलासा हो सकता है।

सभी विभाग 10 सितम्बर तक अनिवार्य रूप से ए ग्रेड में आएं : कलेक्टर

रोजगार मेले में 10 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित करने की तैयारी करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभगार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन तथा टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि अगस्त माह में कई अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन में प्रकरणों का बड़ी संख्या में निराकरण करके अच्छा कार्य किया है। अधिकारी स्वयं प्रकरणों को देखकर उनमें तथ्यपरक प्रतिवेदन दर्ज करें। अभी भी ऊर्जा विभाग, गृह विभाग, नगर निगम, खाद्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, वित्त विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, श्रम विभाग सहित कई विभाग रैंकिंग में डी श्रेणी में हैं। सभी अधिकारी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके 10 सितम्बर तक विभाग की ग्रेडिंग ए करें। इसके बाद तय समय सीमा में ए ग्रेड में न होने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। सभी एसडीएम राजस्व विभाग की शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। कार्यपालन यंत्री ऊर्जा बिजली बिलों में सुधार की शिकायतों के निराकरण के लिए शिविर लगाएं। अगस्त माह की शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अक्टूबर माह में रीवा में राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें संभाग के 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। रीवा जिले के 10 हजार हितग्राही विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित किए जाएंगे। हितग्राही मूलक योजनाओं से जुड़े सभी अधिकारी हितग्राहियों का चयन करके 10 दिवस में प्रकरण तैयार कर बैंकों में प्रस्तुत कर दें। इसके बाद अग्रणी बैंक प्रबंधक हर सप्ताह स्वरोजगार प्रकरणों का निराकरण कराकर रोजगार मेले में वितरण की तैयारी कराएं। सभी स्वरोजगार योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कराएं। निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राहियों की भी सूची तैयार कर लें। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में निजी कंपनियाँ भी शामिल होंगी। कलेक्टर ने कहा कि 26 अगस्त को दोपहर बाद 3 बजे से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष कलेक्ट्रेट सभागार में पिछड़ावर्ग के कल्याण के लिए लागू योजनाओं की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारी अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहें।

बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने कहा कि सभी सीएमओ शहरी आवास योजना के पात्र हितग्राहियों के प्रस्ताव तीन दिवस में प्रस्तुत कर दें। सभी एसडीएम धारणाधिकार योजना के तहत दर्ज आवेदनों का निराकरण कर दें जिससे पात्र हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ दिया जा सके। धारणाधिकार के आवेदन लोक सेवा केन्द्र तथा कॉमन सर्विस सेंटर से दर्ज कराएं। सभी एसडीएम आवास योजना के हितग्राहियों के नामांतरण के प्रकरण सात दिवस में निराकृत कराएं। सभी सीएमओ आवास योजना से प्रथम किश्त की राशि मिलने के बाद आवास का निर्माण न कराने वालों के विरूद्ध वसूली की कार्यवाही करें। इसके लिए आरआरसी जारी कराएं। बैठक में संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी ने 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी।

भटनवारा में 26 अगस्त को होगा इंटरनेशनल दंगल का आयोजन, जुटेंगे अन्य प्रदेशों के पहलवान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हर साल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी जिले के भटनवारा गांव में इंटरनेशनल दंगल का आयोजन होने जा रहा है। यह भव्य दंगल 26 अगस्त दोपहर 1 बजे से शुरू होगा।इस दंगल कार्यक्रम में सतना सांसद गणेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक अग्रवाल करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में रत्नेश लक्ष्मी यादव, आदित्य यादव, भटनवारा सरपंच राजकुमार यादव और यश यादव मौजूद रहेंगे। दंगल का आयोजन राजा पहलवान और समस्त भटनवारा ग्रामवासी मिलकर कर रहे हैं। इसमें अन्य प्रदेशों के पहलवान आकर अपनी ताकत दिखाएंगे। जिससे मुकाबले और भी रोमांचक होंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।